खुशियों का प्रेषण
Transmitting Smiles

GREEN WORLD AWARDS
CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY
GLOBAL GOLD WINNER 2023
POWER GRID CORPORATION OF INDIA, INDIA

सीएसआर CSR

वार्षिक रिपोर्ट | ANNUAL REPORT

2022-23

पावरग्रिड सीएसआर पहल संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा एजेंडा–2030 के तहत अपनाए गए 17 एसडीजी में से 15 को कवर करती है।

POWERGRID CSR initiatives cover 15 out of 17 SDGs adopted by UN Member countries under Agenda-2030.

पावरग्रिड सीएसआर की पहुंच
POWERGRID CSR OUTREACH

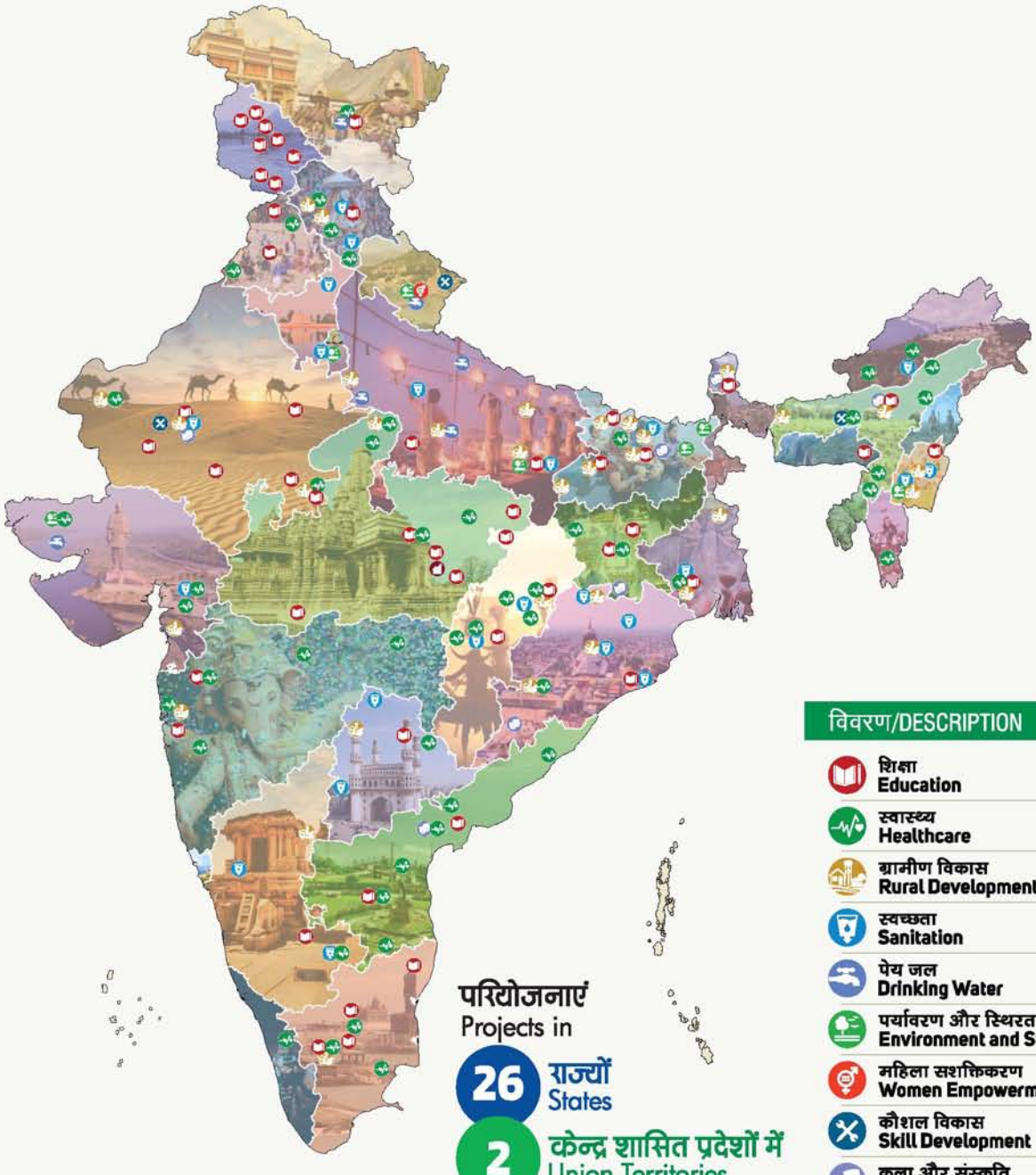

मानचित्र केवल चित्रण के लिए, मापन के लिए नहीं है।
Map not to scale, only for depiction purposes

परियोजनाएं
Projects in

26 राज्यों States

2 केन्द्र शासित प्रदेशों में Union Territories

विवरण/DESCRIPTION

- शिक्षा Education
- स्वास्थ्य Healthcare
- ग्रामीण विकास Rural Development
- स्वच्छता Sanitation
- पेय जल Drinking Water
- पर्यावरण और स्थिरता Environment and Sustainability
- महिला सशक्तिकरण Women Empowerment
- कौशल विकास Skill Development
- कला और संस्कृति Art and Culture

विषय सूची Contents

02/26 परिदृश्य Overview

03/27 पावरग्रिड में सीएसआर CSR in POWERGRID

05/29 सीएसआर अवलोकन CSR Overview

06/30 स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा Promoting Health and Nutrition

09/33 शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण Empowerment through Education

11/35 सतत् आजीविका और महिला सशक्तिकरण Sustainable Livelihood and Women Empowerment

13/37 पर्यावरण की रक्षा और सतत् कृषि को बढ़ावा Protecting the Environment & Promoting Sustainable Agriculture

15/39 खेल, कला और संस्कृति को बढ़ावा Fostering Sports, Art and Culture

17/41 स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता Ensuring Access to Clean Drinking Water & Sanitation

19/43 ग्रामीण विकास को बढ़ावा Reaching Out for Rural Development

21/45 केस स्टडी Case Study

24/48 पुरस्कार Awards

परिदृश्य

पावरग्रिड - महारत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम

37
सहायक कंपनियां और
11
संयुक्त उद्यम

भारत का
तीसरा सबसे बड़ा
(सकल ब्लॉक)
सी.पी.एस.ई

उपस्थिति
23
देशों में

क्रेडिट रेटिंग

घरेलू
क्रिसिल 'एएए' / स्थिर (उच्चतम सुरक्षा)
आईसीआरए 'एएए' / स्थिर (उच्चतम सुरक्षा)
केयर 'एएए' / उच्चतम सुरक्षा/सबसे कम क्रेडिट जोखिम

अंतर्राष्ट्रीय
बीएए3 (आउटलुक-स्थिर) - मूडीज
बीबीबी- (आउटलुक-स्थिर) - फिच
बीबीबी- (आउटलुक-स्थिर) - स्टैंडर्ड एंड पूअर्स

ट्रांसमिशन

- 174113 सीकेएम ट्रांसमिशन लाइनें
- 499360 एमवीए और 272 सबस्टेशन
- >99% सिस्टम उपलब्धता
- आईआर क्षमता 97290 मेगावाट (भारत की क्षमता का 85% से अधिक)
- भारत की 45% विद्युत का पारेषण

कंसल्टेंसी

- 17 चालू अंतर्राष्ट्रीय कार्य
- 09 नए अंतर्राष्ट्रीय कार्य
- 82 चालू घरेलू कार्य

दूरसंचार प्रदर्शन

अग्रणी सेवाएँ_आईएलडी कनेक्टिविटी

- पड़ोसी देशों भूटान, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ
- रु. 729 करोड़ आय
- 128 नये ग्राहक जुड़े
- 99.997% बैकबोन उपलब्धता
- 3000 स्थानों में अखिल भारत नेटवर्क

विभिन्न वर्ग ग्राहक

- वैश्विक ओटीटी, सरकारी विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी संस्थाएं, आईएसपी, आदि
- राज्य डिस्कॉम के साथ फाइबर शेयरिंग समझौते

व्यावसायिक क्षेत्र

- लीज्ड लाइनें
- एमपीएलएस-वीपीएन
- डेटा सेवाएँ, अवसंरचना सेवाएँ

विकास परिदृश्य सेक्टर

- ग्रीन हाइड्रोजन के लिए 125 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता संयोजन के लिए ट्रांसमिशन
- अन्य संबंधित व्यवसाय: सौर ऊर्जा उत्पादन, डेटा सेंटर व्यवसाय, स्मार्ट मीटरिंग, टैरिफ बोली में अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसमिशन परियोजनाएं
- ट्रांसमिशन लाइनों की पेट्रोलिंग के दौरान कमी की पहचान के लिए एआई/एमएल तकनीक का एकीकरण
- 2021-22 के लिए आईपीपीएआई में ट्रांसफॉर्मर कारोबार में सर्वश्रेष्ठ यूटिलिटी और संपत्ति प्रबंधन में तीसरी सर्वश्रेष्ठ यूटिलिटी का दर्जा

पावरग्रिड में सीएसआर

विज़न

''एक ऐसा कॉर्पोरेट बनना जो ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों में पहल करके समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक रणनीति निर्धारित करता है और संधारणीय पर्यावरणीय पद्धतियों का पालन करता है''

मिशन

''सीएसआर और संधारणीय नीति को व्यवसाय नीति के साथ संरेखित करना ताकि हितधारकों के परामर्श से पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों से निपटने में तत्परता, उनका न्यूनीकरण और अल्पीकरण के सिद्धांतों का पालन करते हुए संधारणीय तरीके से व्यवसाय का संचालन किया जा सके और राष्ट्रीय और स्थानीय महत्व की उच्च प्रभावशाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं शुरू की जा सकें''

21वीं सदी ने नैगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और संधारणीयता को व्यवसाय संचालन का एक अनिवार्य घटक बना दिया है। सीएसआर एक निगम और समाज के बीच संबंध को चित्रित करता है। पावरग्रिड, एक महारत्न पीएसयू और भारत के बिजली पारेषण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी होने के नाते सीएसआर के मूल्य को समझती है और उसने अपने सीएसआर संचालन को निर्देशित करने के लिए एक विज़न और मिशन बनाया है। पावरग्रिड का विज़न और मिशन पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ और टिकाऊ पद्धतियों के साथ हितधारकों की भागीदारी, सामाजिक और आर्थिक विकास पर जोर देता है। पावरग्रिड अपनी व्यावसायिक रणनीति के साथ अच्छे लाभ के अलावा लोगों और पृथ्वी पर की अपनी बेहतर पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पावरग्रिड स्वयं को एक कॉर्पोरेट निकाय के रूप में स्थापित करना चाहता है जो इलाकों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक योजनाएं विकसित करता है। पावरग्रिड का इरादा व्यवसाय को टिकाऊ तरीके से संचालित करने और अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ सीएसआर और संधारणीय नीतियों को एकीकृत करके समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान देना है।

पावरग्रिड इस बात को समझता है कि दीर्घकालिक प्रगति सभी हितधारकों के कल्याण पर निर्भर करती है न कि केवल उसकी अपनी सफलता पर यही कारण है कि वह सामाजिक विकास पर जोर देता है। पावरग्रिड इन सीएसआर पहलों को प्रभावी ढंग से परिकल्पित करने, योजना बनाने और कार्यान्वित करने के लिए सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग करता है।

पावरग्रिड ने एक ऐसा उद्देश्य विकसित किया है जो इसकी सीएसआर और पर्यावरण नीतियों को इसकी व्यापक व्यावसायिक रणनीति के साथ जोड़ता है। संगठन पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटते समय व्यवसाय को स्थायी रूप से संचालित करने के लिए समर्पित है और बचाव, न्यूनीकरण और अल्पीकरण की अवधारणाओं का पालन करता है। पावरग्रिड इस बात से अवगत है कि उसका संचालन उन लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर निर्भर करता है जिनको वह अपनी सेवा देता है।

पावरग्रिड का लक्ष्य स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति इसके अथक समर्पण को प्रदर्शित करता है।

सीएसआर अवलोकन (2022-2023)

सीएसआर बजट आवंटित	: 312 करोड़
वास्तविक व्यय	: 321 करोड़
परियोजनाएं स्वीकृत	: 168 Nos.
परियोजनाएं पूरी हुईं	: 135 Nos.

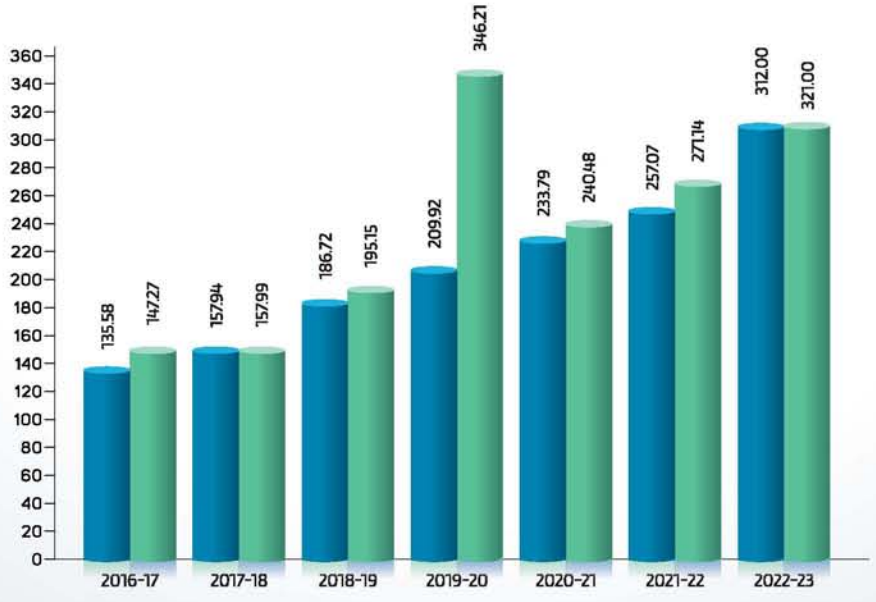

आंकड़े, ₹ करोड़ में

वेबसाइट से संदर्भ

थ्रस्ट एरिया के अनुसार अनुमोदित परियोजनाओं पर व्यय

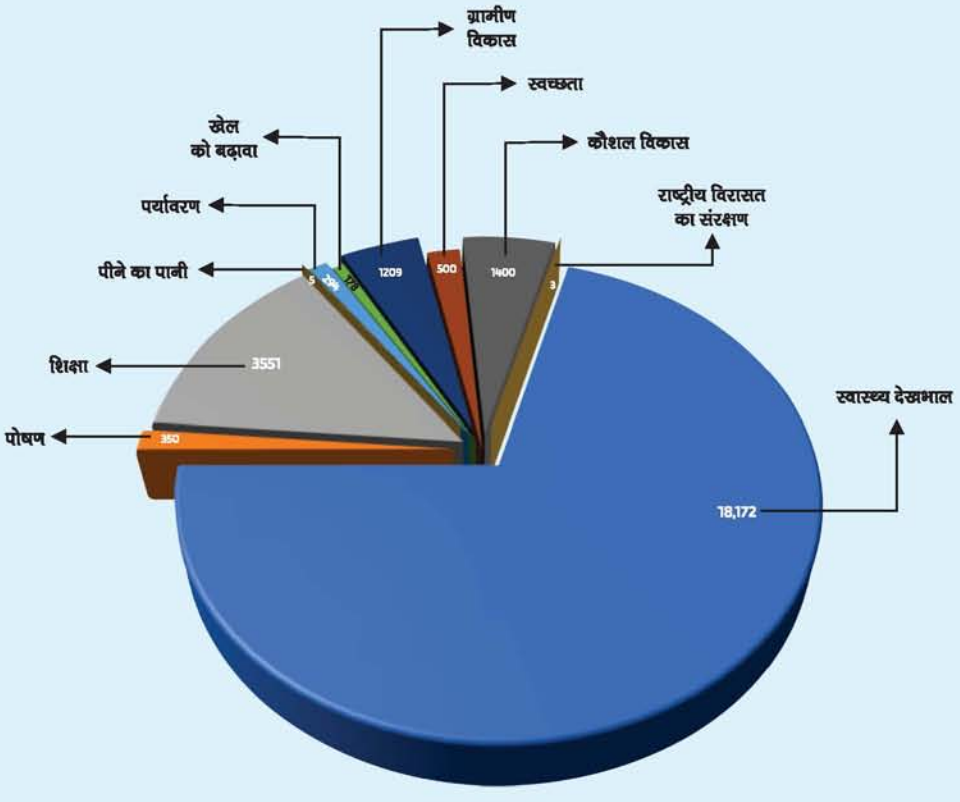

आंकड़े, ₹ लाख में

स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा

सतत विकास हासिल करने और लोगों तथा सामुदायिक हितों के लिए स्वास्थ्य और पोषण महत्वपूर्ण हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने वाले पावरग्रिड के कार्यक्रम मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, प्रसवपूर्व देखभाल में सुधार करने और गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। अन्य पहलों में टीकाकरण अभियान, आवश्यक टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और निवारक स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

महिला एवं बाल अस्पताल, टीएमसी, मुंबई में मॉड्यूलर ओटी

भारत में बढ़ती जनसंख्या के साथ ही स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की मांग भी बढ़ गई है और मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं को नवीनतम आधुनिक तकनीक के साथ उन्नयन करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य के साथ पावरग्रिड ने यूएन-एसडीजी के साथ संरेखित सीएसआर परियोजना के भाग के रूप में महिला एवं बाल अस्पताल, एसीटीआरईसी, टाटा मेमोरियल सेंटर में 14 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर विकसित किए हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना और उन महिलाओं एवं बच्चों को दी जाने वाली सेवाओं और स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे अधिक सुधार करना था जिन्हें जैव-चिकित्सा उपचार के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है। सर्जरी और अन्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए एक कुशल और प्रभावी परिवेश प्रदान करने के लिए मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और उपकरण स्थापित किए गए हैं। चिकित्सा कर्मी सही निदान और जोखिम-मुक्त सर्जिकल प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने वाली अत्याधुनिक तकनीक के साथ आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हैं।

मॉड्यूलर ओटी के पूरा होने के बाद एसीटीआरईसी को महिलाओं और बच्चों से संबंधित कैंसर रोगियों पर वार्षिक 10,000 अतिरिक्त उन्नत सर्जरी करने में सक्षम बनाया गया है। इनमें से अधिकांश लाभार्थी समाज के वंचित वर्ग से हैं। बच्चों में कैंसर का इलाज अगर शुरुआती चरण में ही शुरू कर दिया जाए तो इसके बेहतर परिणाम मिलते हैं।

संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में हब एंड स्पोक मॉडल टेली-आईसीयू

पावरग्रिड के सीएसआर कार्यकलापों के अन्तर्गत संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआईएमएस) में टेली-आईसीयू के लिए हब एंड स्पोक मॉडल अपनाने के परिणामस्वरूप गहन देखभाल सेवाओं और रोगी परिणामों में काफी सुधार हुआ है। दूरसंचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, स्वास्थ्य सेवा वितरण का हब एंड स्पोक मॉडल एक केंद्रीय हब को विशेष संसाधनों और ज्ञान के साथ दूरस्थ स्पोक सुविधाओं से जोड़ता है।

सेंट्रल हब, जो एसजीपीजीआईएमएस में स्थित है इस दृष्टिकोण के तहत एक कमांड सेंटर के रूप में कार्य करता है और इसमें इंटेंसिविस्ट, क्रिटिकल केयर नर्स और अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ कार्यरत हैं। हब में अत्याधुनिक निगरानी और दूरसंचार प्रणालियाँ हैं जो वास्तविक समय में दूरस्थ निगरानी की अनुमति देती हैं और स्पोक सुविधाओं के साथ परामर्श करती हैं। स्पोक सुविधाएं दूरसंचार लाइनों के माध्यम से हब से जुड़ी हुई हैं और अविकसित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

डीएमसीएच, दरभंगा और जीएमसीएच, गुवाहाटी में विश्राम सदन

बिहार में दरभंगा के दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) और असम के गुवाहाटी में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में अब पावरग्रिड सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में विश्राम सदन (विश्राम गृह) बनाए जा रहे हैं। ये देश के प्रीमियम सरकारी अस्पतालों में स्थापित किए जा रहे विश्राम सदनों की श्रृंखला में चौथी और पांचवीं ऐसी सुविधाएं हैं जहां मरीज अपने-अपने राज्यों के विभिन्न हिस्सों और देश के

आंकड़ों पर एक नजर:

	डीएमसीएच	जीएमसीएच
निर्मित क्षेत्र:	5285 वर्गमीटर	3878 वर्गमीटर.
बिस्तरों की संख्या:	260	153
समर्पित:	20.10.2022	15.11.2022

माननीय कैबिनेट विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री आर. के. सिंह द्वारा दरभंगा विश्राम सदन का उद्घाटन

जम्मू के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. हिमंत बिस्व सरमा गुवाहाटी स्थित विश्राम सदन का उद्घाटन करते हुए

अन्य हिस्सों से भी इलाज के लिए आते हैं। यह पहल रोगियों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा प्रदान करती है और अस्पताल में इलाज के लिए रोगियों के साथ आने वाले परिवार के सदस्यों को शांति और राहत प्रदान करती है। विश्राम सदन मरीजों और उनकी देखभाल करने वाले लोगों को स्वच्छ, सभ्य, किफायती और सुखद आवास और बोर्डिंग सुविधाएं प्रदान करता है। विश्राम सदन रोगी और उसके परिचारकों के लिए एक दूसरे घर की तरह है जो चिकित्सा उपचार के दौरान भावनात्मक उतार-चढ़ाव के समय में उन्हें निश्चित रूप से कम खर्च पर एक सुगम, आरामदायक और सहायक वातावरण सुनिश्चित करता है।

यह सीएसआर पहल स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और समुदायों के हित में योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।

ईएसआईसी अस्पताल, फरीदाबाद में चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति

फरीदाबाद के ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया से गुजरने वाले मरीजों को अब अधिक सुरक्षित, कम दर्दनाक और कम-समय लेने वाला उपचार मिल सकता है। पावरग्रिड ने अपनी सीएसआर पहल के तहत फरीदाबाद में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को एक न्यूरो सर्जरी माइक्रोस्कोप और एक इंट्रा ऑपरेटिव न्यूरो मॉनिटरिंग (आईओएनएम) डिवाइस प्रदान किया है। आईओएनएम प्रणाली चिकित्सकों को महत्वपूर्ण तंत्रिका मार्गों की निगरानी करने और पोस्ट ऑपरेटिव न्यूरोलॉजिकल जोखिम को कम करने में सहायता करता है। यह तंत्रिका निगरानी प्रणाली महत्वपूर्ण तंत्रिका मार्गों को संभावित नुकसान की सही और तत्काल चेतावनी प्रदान करती है और इसमें उपयोग में आसान इंटरफेस है जिससे रोगी की सुरक्षा में सुधार होता है।

क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम

पावरग्रिड द्वारा केरल के तिरुवनंतपुरम में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र (आरसीसी) को रेडियोथेरेपी उपचार के लिए रिंग गैन्ट्री लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई। क्षेत्र में कैंसर रोगियों के लाभ के लिए इस सहयोग का उद्देश्य क्षेत्रीय कैंसर केंद्र द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और सेवाओं को मजबूत करना है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी को आधुनिक बनाने, उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर देखभाल की गारंटी देने और उपचार क्षमता बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।

रिंग गैन्ट्री लीनियर एक्सेलेरेटर एक एआई आधारित कैंसर उपचार करने वाली उन्नत रेडियोथेरेपी मशीन है जो तेजी से उपचार देने में योगदान देता है और एक दिन में लगभग १२० रोगियों का इलाज कर सकता है जो एक बड़ी संख्या है। यह अत्यधिक और लक्षित विकिरण चिकित्सा को सक्षम बनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कैंसर कोशिकाओं को अधिकतम विकिरण प्राप्त हो और आसपास के स्वस्थ ऊतकों को नुकसान कम पहुंचे। उपचार न्यूनतम विकिरण के साथ किया जाता है जिससे दुष्प्रभाव कम होते हैं और उपचार के बाद रोगी का जीवन बेहतर बनता है।

आदिलाबाद जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को पोषक खुराक और शिक्षण सहायता किट

पावरग्रिड के सीएसआर कार्यक्रमों से पोषण संबंधी पूरक और शिक्षण सहायता पैकेज प्रदान करने पर केंद्रित आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के विकास, स्वास्थ्य और शैक्षणिक परिणामों पर काफी प्रभाव पड़ता है। पावरग्रिड यह सुनिश्चित करने में सहायता करता है कि भूख से निपटकर, बचपन के विकास को बढ़ावा देकर, आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करके बच्चों का बेहतर और अधिक आशाजनक भविष्य हो। ये कार्यक्रम बच्चों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना उनके समावेशी और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य को पूरा करने में सहायता करते हैं। बच्चों के संपूर्ण विकास और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बच्चों के पोषण और विकास में सुधार हेतु प्रमुख योगदान निम्नलिखित हैं।

- पोषण संबंधी अनुपूरक
- बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाली
- कुपोषण से निपटना
- शिक्षण सहायता किट
- आंगनबाडी केन्द्रों को सशक्त बनाना

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में 100 बिस्तरों वाला बाल चिकित्सा आईसीयू

पावरग्रिड की सीएसआर पहल के रूप में कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में 100 बिस्तरों वाले बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई स्थापित की गई है जो क्षेत्र में बाल चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रोगियों को विशेषज्ञ देखभाल तक पहुंच प्रदान करता है और सामान्य रूप से बाल चिकित्सा महत्वपूर्ण देखभाल ज्ञान और बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करता है।

विवेकानन्द चिकित्सा संस्थान, पालमपुर में एमआरआई मशीन की स्थापना

पावरग्रिड ने हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में विवेकानंद मेडिकल इंस्टीट्यूट (वीएमआई) में एक एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) मशीन का वित्त पोषण किया। इस परियोजना का उद्देश्य नैदानिक क्षमताओं को बढ़ाते हुए इस सुदूर क्षेत्र में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है और इस प्रकार उपेक्षित क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा को और अधिक सुलभ बनाना है। स्थानीय आबादी इस प्रयास से लाभान्वित हो रही है क्योंकि इससे बेहतर स्वास्थ्य देखभाल निदान और प्रभावी समय पर उपचार उनके नजदीक मिल गया है और उन्हें उच्च खर्च पर इलाज के लिए मेट्रो शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

- सिक्किम राज्य के विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के लिए चिकित्सा उपकरण और उपकरण
- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर यूपी में 100 बिस्तरों वाले बाल गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) की स्थापना
- जयपोर (ओडिशा) में जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच कोरापुट) में एक आपातकालीन आईसीयू स्थापित करने के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरण/उपस्कर
- ओडिशा के कालाहांडी जिले के विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सा उपकरण और उपस्कर
- आंध्र प्रदेश के 5 जिलों विजयनगरम, गुंटूर, कडपा, चित्तूर और प्रकाशम में 5 एम्बुलेंस की आपूर्ति

शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण

शिक्षा हमेशा सामाजिक परिवर्तन के सशक्तिकरण के लिए सबसे मजबूत उपाय के रूप में कार्य करती है। शिक्षा सभी बाधाओं को तोड़ते हुए किसी व्यक्ति के लिए अवसरों के द्वार खोलने और विश्व को समझने का सबसे अच्छा साधन है। शिक्षा के महत्व को दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है और यूएनएसडीजी ने सभी के लिए शिक्षा मानक और शिक्षा सुविधा में सुधार के लिए गोल 4 भी चिह्नित किया है।

पावरग्रिड शिक्षा क्षेत्र में सीएसआर परियोजनाओं को चुनने और कार्यान्वित करते समय समाज के कायाकल्प में सहायक है। सीएसआर परियोजनाओं की परिकल्पना शिक्षा के विभिन्न पहलुओं जैसे प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए स्मार्ट क्लासरूम कार्यक्रम, तकनीकी शिक्षा के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुस्तक प्रेमियों के लिए पुस्तकालय डिजिटलीकरण, छात्रवृत्ति कार्यक्रम आदि को कवर करने के लिए की गई है।

शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना एक बहुआयामी उपाय है जिसमें ज्ञान प्राप्त करना, व्यक्तिगत सोच का विकास और निरंतर सीखने की मानसिकता को बढ़ावा देना शामिल है। पावरग्रिड समाज में सभी के लिए शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करके समाज के विकास में योगदान दे रहा है।

हरदयाल म्युनिसिपल हेरिटेज पब्लिक लाइब्रेरी

सांस्कृतिक विरासत का भंडार हरदयाल म्युनिसिपल हेरिटेज लाइब्रेरी अमूल्य पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और पुराने कागजात का भंडार है। इन अमूल्य सामग्रियों के संरक्षण और डिजिटलीकरण की पहल पावरग्रिड की सीएसआर प्रतिबद्धता का भाग है। डिजिटलीकरण के माध्यम से इन वस्तुओं को संरक्षित और उपलब्ध कराकर पुस्तकालय दिल्ली और उससे आगे की सांस्कृतिक विरासत में रुचि रखने वाले विद्वानों, इतिहासकारों और उत्साही लोगों के लिए एक उपयोगी साधन है।

दिल्ली में हरदयाल म्यूनिसिपल लाइब्रेरी को पावरग्रिड के सीएसआर कार्यक्रम से बहुत लाभ हुआ है जिससे शिक्षा, साक्षरता और बौद्धिक विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। पावरग्रिड के बुनियादी ढांचे के विकास, संसाधनों में

वृद्धि, तकनीकी प्रगति और सामुदायिक भागीदारी से पुस्तकालय को अध्ययन और सूचना के एक अत्याधुनिक और संपन्न केंद्र के रूप में पुनर्निर्मित किया गया है। सहायता शिक्षा को आगे बढ़ाने, सांस्कृतिक संपत्तियों की संरक्षा और समुदाय के भीतर बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के बड़े उद्देश्य के अनुरूप है।

छात्रवृत्ति कार्यक्रम, आईआईटी मद्रास

पावरग्रिड बी-टेक छात्रों के लिए मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति कार्यक्रम स्थापित करने के लिए अपनी सीएसआर पहल के तहत् आईआईटी चेन्नई में एक बड़ा योगदान दे रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन योग्य छात्रों की सहायता करना है जिनके पास उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमता है लेकिन वे अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। यह प्रयास शिक्षा क्षेत्र में सहायता करके और तकनीक से लैस अगली पीढ़ी को विकसित करके समाज को लाभ पहुंचाने के पावरग्रिड के मिशन का भाग है।

पावरग्रिड ग्रामीण विकास के लिए शिक्षा के महत्व को समझता है (एसडीजी 4 - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा)।

राजस्थान के सरकारी स्कूलों के लिए रामकृष्ण मिशन को प्रोजेक्टर दिए गए

अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से पावरग्रिड ने राजस्थान के पब्लिक स्कूलों में उपयोग के लिए रामकृष्ण मिशन को 200 प्रोजेक्टर प्रदान किए जिसका शैक्षिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। यह कार्यक्रम शहरी और ग्रामीण शिक्षा के बीच अंतर को समाप्त करता है और छात्रों के बीच डिजिटल साक्षरता में सहायता करता है तथा कक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करता करने एवं शिक्षण रणनीतियों में सुधार करता है। शिक्षा और प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा के प्रति पावरग्रिड का समर्पण राजस्थान की शैक्षिक प्रणाली को समग्र रूप से आगे बढ़ाता है।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

- तमिलनाडु के कल्लकुरुची जिले के चिन्नासलेम में मॉडल स्कूल के लिए टैबलेट और स्मार्ट टीवी जैसे स्मार्ट शैक्षिक साधन
- व्यापक सीएसआर गतिविधियाँ जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर लाइट प्रदान करना, 50 सरकारी क्षेत्रों में आरओ वॉटर एटीएम की स्थापना और झारखंड के रांची जिले में स्कूलों और 300 आंगनवाड़ी केंद्रों का नवीनीकरण शामिल है
- कोटा के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं, शौचालयों का निर्माण और अध्ययन डेस्क की आपूर्ति
- पावरग्रिड ज्ञान केंद्र (पीजीके) की स्थापना और हरदयाल म्यूनिसिपल हेरिटेज पब्लिक लाइब्रेरी, दिल्ली में मौजूदा बुनियादी ढांचे को सुसज्जित करना
- सरकारी सीनियर सेकेंडरी गर्ल स्कूल, मोगा (पंजाब) के लिए दो मंजिला स्कूल जिसमें 16 क्लास रूम का निर्माण और फर्नीचर उपलब्ध कराया गया
- बलरामपुर, उ.प्र. में जनजातीय छात्रावास का निर्माण
- जोरहाट इंजीनियरिंग कॉलेज, असम में शोधकर्ताओं के छात्रावास का निर्माण
- धनोरा गांव, परली महाराष्ट्र में 6 कक्षाओं का निर्माण
- सिंगरौली जिला (मध्य प्रदेश) के तहसील सरई में अनुसूचित जाति वरिष्ठ कन्या छात्रावास (50 छात्राओं के लिए) का निर्माण

सतत् आजीविका और महिला सशक्तिकरण

समावेशी और न्यायसंगत विकास हासिल करने के लिए एक स्थायी जीवन शैली और महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता है। भारत में पावरग्रिड का कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम स्थायी आजीविका की संभावनाओं को आगे बढ़ाने और महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण ताकत बन गए हैं। सशक्त अर्थव्यवस्थाएँ, स्वस्थ समुदाय और अधिक समावेशी समान सभी सशक्त महिलाओं से लाभान्वित होते हैं। पावरग्रिड की सीएसआर पहल के साथ महिलाओं के लिए सामान्य आजीविका रणनीतियां हासिल करने की लक्ष्य है।

अप्रेंटिस की नियुक्ति

अपनी सीएसआर पहल के अन्तर्गत पावरग्रिड ने अप्रेंटिस के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य उन युवाओं को सहायता और सशक्त बनाना है जो विभिन्न व्यवसायों में अप्रेंटिस प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पावरग्रिड कौशल विकास को बढ़ावा देने और रोजगार क्षमता में सुधार करने के लिए वित्तीय सहायता के रूप में तकनीकी प्रशिक्षण और स्टाइपेंड प्रदान करके इन अप्रेंटिस के समग्र विकास और कल्याण में सहायता करता है। इस वर्ष कार्यक्रम ने 1028 युवाओं को सहायता प्रदान की गई।

पावरग्रिड की सीएसआर पहल, जो अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं को स्टाइपेंड प्रदान करती है यह सामाजिक आर्थिक विकास, कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अनिवार्य है।

प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रम

पावरग्रिड द्वारा अपनी सीएसआर पहल के रूप में सीआईपीईटी मुरथल में एक प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्लास्टिक क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण देकर, यह कार्यक्रम वंचित और बेरोजगार लोगों को सशक्त बनाना चाहता है। प्रतिभागियों की रोजगार योग्यता और सामाजिक आर्थिक उन्नति को पावरग्रिड के सीएसआर प्रोजेक्ट द्वारा महत्वपूर्ण कौशल और जानकारी प्रदान करके सहायता प्रदान की जाती है।

पावरग्रिड वंचित लोगों को उत्पादक रोजगार खोजने और उन्हें कौशल विकास पाठ्यक्रम प्रदान करके उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधनों से सज्जित करता है। यह कार्यक्रम प्रशिक्षण के बाद 100% रोजगार प्रदान करना है।

सिलाई मशीनों का वितरण और सिलाई प्रशिक्षण

पावरग्रिड ने कोटेश्वर पूलिंग स्टेशन के पास मानगांव ग्राम पंचायत में वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों और महिलाओं के लिए सिलाई मशीनें दी हैं और सिलाई में छह महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस पहल का उद्देश्य युवा महिलाओं को उपयोगी सिलाई कौशल और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन देकर उन्हें सशक्त बनाना है। परियोजना के प्रतिभागी और समुदाय दोनों कई तरह से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित हैं।

19 सिलाई मशीनें वितरित की गईं और इन मशीनों का उपयोग करने और सिलाई प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे अपनी आजीविका कमा सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और उनकी आजीविका में सुधार को पावरग्रिड की सीएसआर गतिविधियों (एसडीजी 1 कोई गरीब नहीं, एसडीजी 8 सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) में प्राथमिकता दी जाती है। जैसा कि एसडीजी 1 और 8 में कहा गया है, ये परियोजनाएं ग्रामीण समुदायों को नौकरी ढूँढने या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करती हैं।

पूर्वोत्तर की लड़कियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण

पावरग्रिड सीएसआर द्वारा प्रायोजित ब्यूटीशियन ट्रेड में लड़कियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण उन्हें मूल्यवान कौशल के साथ सशक्त बनाता है। यह पहल आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा, उद्यमिता को बढ़ावा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ाती है। इस तरह के प्रशिक्षण में निवेश करके पावरग्रिड उत्तर पूर्व में महिला सशक्तिकरण और समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देता है।

समावेशी और न्यायसंगत विकास हासिल करने के लिए एक स्थायी जीवन शैली और महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता है। भारत में, पावरग्रिड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम स्थायी आजीविका की संभावनाओं को आगे बढ़ाने और महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण ताकत बन गए हैं। सशक्त अर्थव्यवस्थाएँ, स्वस्थ समुदाय और अधिक समावेशी समाज सभी सशक्त महिलाओं से लाभान्वित होते हैं। पावरग्रिड की सीएसआर पहल के साथ महिलाओं के लिए सामान्य आजीविका रणनीतियां हासिल करने की लक्ष्य है।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

- कामकाजी महिला छात्रावास, मेवात के लिए फर्नीचर
- सेक्टर-43 और सेक्टर-46, गुरुग्राम के आसपास काम करने वाले/रहने वाले सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के व्यक्तियों को 600 स्टेनलेस स्टील कुकवेयर सेट का वितरण
- के.बी. महिला सरकारी कॉलेज, हनारीबाग, झारखंड में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ खेल के मैदान का विकास

पर्यावरण की रक्षा और सतत् कृषि को बढ़ावा

पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने से एक टिकाऊ भविष्य हासिल किया जा सकता है। जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन को धीमा करने और पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण महत्वपूर्ण है। यह प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा तथा हवा और पानी की गुणवत्ता बढ़ाता है और स्वस्थ सामुदायिक आजीविका को बनाए रखता है। सतत कृषि में खेती के तरीके शामिल हैं जो मिट्टी के स्वास्थ्य, जैव विविधता और प्रभावी संसाधन उपयोग का समर्थन करते हैं। इसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा बढ़ाना, पर्यावरणीय गिरावट को कम करना और किसानों की आर्थिक व्यवहार्यता में सहायता करना है।

अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से पावरग्रिड वृक्षारोपण अभियान, अपशिष्ट प्रबंधन पहल सहित कई गतिविधियों में शामिल है। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ और टिकाऊ कृषि विधियों को बढ़ावा देना प्रमुख कार्यकलाप हैं। लक्ष्य-12 पर्यावरण-अनुकूल तरीकों का उपयोग

स्मृतिवन स्मारक परियोजना, भुज में वृक्षारोपण

कच्छ के भुज में दुनिया के सबसे बड़े मियावाकी वन के भाग के रूप में स्मितिवन भूकंप स्मारक और संग्रहालय परियोजना में वृक्षारोपण द्वारा पड़ोस और उससे परे कई लाभ प्रदान किए जाते हैं जो पावरग्रिड की सीएसआर गतिविधियों में से एक है। वर्ष 2001 में क्षेत्र में आए दुखद भूकंप की याद दिलाने के अलावा यह परियोजना क्षेत्र के पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और शैक्षिक पहलुओं को आगे बढ़ाती है।

यह पर्यावरण संरक्षण में सहायता करने के साथ क्षेत्र के सौंदर्यीकरण में सुधार और भूकंप पीड़ितों को सहायता, शैक्षिक और सांस्कृतिक संसाधन और आपदा तैयारियों को प्रोत्साहित करता है। यह परियोजना सतत विकास के प्रति पावरग्रिड के समर्पण को प्रदर्शित करने का काम करती है और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में कंपनी की भूमिका को बताती है।

टाइगर आर्मी प्री-प्राइमरी स्कूल, सतवारी में ''राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस'' पर वृक्षारोपण अभियान

22 अप्रैल, 2022 को ''राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस'' के अवसर पर सतवारी में टाइगर आर्मी प्री-प्राइमरी स्कूल (टीएपीपीएस) ने अपनी सीएसआर पहल के भाग के रूप में पावरग्रिड द्वारा आयोजित एक वृक्षारोपण अभियान की मेजबानी की। इस अभियान का उद्देश्य वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के मूल्य के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम ने पर्यावरण, समुदाय और स्कूल को कई तरह से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

वृक्षारोपण अभियान ने नागरिक जुड़ाव और भागीदारी को बढ़ावा दिया। इसने स्थानीय समुदाय और प्रोफेसरों, कर्मचारियों को एकजुट किया और छात्र, पर्यावरण के लिए साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया। इस सामूहिक प्रयास यह बताता है कि पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इस प्रकार का सहयोग कितना महत्वपूर्ण है।

ऊर्जा संरक्षण पर विद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता-2022

पावरग्रिड सीएसआर के साथ साझेदारी में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा आयोजित ऊर्जा संरक्षण पर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिताओं में ऊर्जा संरक्षण की जरूरत और युवाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से प्रदर्शित किया गया था। प्रतियोगिता ने बच्चों को रचनात्मक रूप से खुद को अभिव्यक्त करने, ऊर्जा बचाने और सकारात्मक मानसिकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अतिरिक्त, इसने ऊर्जा संरक्षण के बारे में सार्वजनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जिससे अगली पीढ़ी को अपने ऊर्जा उपयोग का प्रभार लेने और पर्यावरण की देखभाल करने में सक्षम बनाया जा सके। छात्रों की कलाकृतियाँ स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों और सार्वजनिक समारोहों में प्रदर्शित की गईं।

दौलताबाद में तालाबों का पुनरुद्धार

पावरग्रिड अपने सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत गुरुग्राम के दौलताबाद और धरमपुर गांवों में तालाबों को पुनर्जीवित किया है। इस परियोजना का लक्ष्य इन जल निकायों को पुनर्जीवित करना और उनकी मरम्मत करने के साथ ही उनके पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना और आसपास क्षेत्र को लाभ पहुंचाना है। कायाकल्प प्रक्रिया के दौरान प्रदूषकों, गाद और अन्य मलबे को हटाकर तालाबों के परिक्षेत्र और पानी की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। तटबंधों से गाद निकालना, रखरखाव और चेक बांधों का निर्माण के साथ जल भंडारण क्षमता बढ़ाने और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए उठाए गए कदम हैं।

सिंचाई, भूजल पुन: पूर्ति और पशुओं के पानी के संबंध में, पुनर्वासित तालाब गांवों के लिए एक उपयोगी संसाधन हैं। इसके अतिरिक्त, ये पुनर्जीवित जल निकाय जैव विविधता के संरक्षण में सहायता करते हैं और सामुदायिक मनोरंजन क्षेत्र प्रदान करते हैं।

सफाई से पहले तालाब

पानी निकालने के बाद तालाब

सफाई के बाद तालाब

गाद निकालने के बाद तालाब

खेल, कला और संस्कृति को बढ़ावा

खेल कला और संस्कृति को बढ़ावा देने से समाज में रचनात्मकता, खुशहाली और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलता है। पावरग्रिड के सीएसआर प्रयास प्रतिभा विकास, सामुदायिक भागीदारी, संस्कृतिक संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करके एक टिकाऊ और समावेशी समाज के लिए खेल, कला और संस्कृति को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

खेल व्यक्तिगत और सामुदायिक विकास दोनों के लिए आवश्यक हैं। खेल सामाजिक संपर्क, टीम वर्क, अनुशासन और शारीरिक फिटनेस प्रदान करते हैं।

खेल, कला और संस्कृति में सीएसआर कार्यक्रमों ने लैंगिक समानता और सामाजिक विकास को संबोधित किया है। ये कार्यक्रम खेलों में महिलाओं और लड़कियों के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देकर लक्ष्य 5 का समर्थन करते हैं।

लाम्फेलपत, इंफाल में ऑफिसर्स क्लब के बैडमिंटन कोर्ट का नवीनीकरण

अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के भाग के रूप में एक प्रमुख पावर ट्रांसमिशन कंपनी पावरग्रिड ने इंफाल के लाम्फेलपत में ऑफिसर्स क्लब में बैडमिंटन कोर्ट का नवीनीकरण किया है। इस परियोजना का लक्ष्य क्लब की सुविधाओं में सुधार करना और सदस्यों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। नए प्रकाश उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं, अदालत की सतह को उन्नत किया जा रहा है, और समग्र रूप से बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा रहा है। पावरग्रिड इस परियोजना में निवेश करके इस क्षेत्र की मदद करने और स्वस्थ, सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देने के प्रति अपना समर्पण दिखाता है। नवीनीकृत बैडमिंटन कोर्ट पर खेलना आसान होगा जिससे इम्फाल के खेल परिदृश्य को विकसित होने में मदद मिलेगी।

डिचेनलिंग श्मशान परिसर, गंगटोक का विकास और उन्नयन

गंगटोक में डिचेनलिंग श्मशान परिसर के निर्माण और उन्नयन के लिए पावरग्रिड की सीएसआर परियोजना से समुदाय को कई तरीकों से लाभ मिलता है। उन्नत सुविधाएँ और बुनियादी ढाँचा अंतिम संस्कार करने के लिए एक सम्मानजनक और भावानात्मक परिवेश तैयार करता है। यह पहल सामुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने के साथ सांस्कृतिक रीति-रिवाजों को संरक्षित करती है और पर्यावरणीय कारकों को ध्यान में रखती है। परिक्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने के साथ पावरग्रिड सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करता है।

परिक्षेत्र के लिए डिचेनलिंग श्मशान परिसर सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण है। दाह संस्कार से जुड़े सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं को इसके विकास और सुधार के कारण संरक्षित और बरकरार रखा गया है। इन परंपराओं को बनाए रखने के साथ परियोजना सांस्कृतिक पहचान और विरासत की भावना को बढ़ावा देती है।

हैलाकांडी में स्टेडियम का उन्नयन

पावरग्रिड ने अपनी सीएसआर पहल के तहत असम के हैलाकांडी जिले में जिला खेल संघ ग्राउंड में सार्वजनिक खेल मैदान के उन्नयन और सुधार की जिम्मेदारी ली है। इस परियोजना का उद्देश्य एथलीटों और स्थानीय समुदाय के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करते हुए स्टेडियम के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाना है। उन्नयन कार्य में खेल की सतह में सुधार, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था स्थापित करना और बैठने की व्यवस्था को उन्नत करना शामिल है। इस परियोजना को शुरू करके पावरग्रिड हैलाकांडी में खेल को बढ़ावा देने और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। बेहतर सार्वजनिक खेल मैदान खेल गतिविधियों के केंद्र के रूप में काम करेगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देगा।

इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उत्तरी लखीमपुर, असम

असम के उत्तरी लखीमपुर में पावरग्रिड एक इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर रहा है। इनडोर खेलों के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा का निर्माण करके इस पहल से क्षेत्र में शारीरिक फिटनेस की संस्कृति को प्रोत्साहित करने की उम्मीद है। बैडमिंटन, टेबल टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट सहित कई इनडोर खेल सुविधाएं इस परिसर में स्थित होंगी। इसके अतिरिक्त, इसमें लॉकर रूम, दर्शकों के लिए बैठने की जगह और उपकरण भंडारण जैसी समकालीन सुविधाएं होंगी। इस परियोजना में सहायता देकर पावरग्रिड खेल के विकास को बढ़ावा देने और लोगों की सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों तक पहुंच प्रदान करने के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करता है। उत्तरी लखीमपुर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एथलेटिक उपलब्धि और परिक्षेत्र में भागीदारी का केंद्र होगा।

स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता

स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल लोगों तक पहुंचाना एक मौलिक मानव अधिकार है। जलजनित बीमारियों को रोकने, अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और सामान्य हित के उद्देश्य से स्वच्छ पेयजल आवश्यक है। स्वच्छता, सम्माननीयता और पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए स्वच्छता आवश्यक हैं। इन सुविधाओं में शौचालय और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियाँ शामिल होनी चाहिए। इन बुनियादी बातों तक पहुंच से लैंगिक समानता, शैक्षिक अवसरों में वृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

पानी के बुनियादी ढांचे का निर्माण, स्वच्छ पानी तक पहुंच प्रदान करना, शौचालय बनाना, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करना और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाना पावरग्रिड की सीएसआर परियोजनाओं में शामिल कई कार्यों में से कुछ हैं। ये कार्यक्रम सामुदायिक कल्याण को बढ़ाने, पर्यावरण के अनुकूल जल प्रबंधन तरीकों को आगे बढ़ाने और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच की गारंटी प्रदान करते हैं।

जल और स्वच्छता में सीएसआर परियोजनाएं लैंगिक समानता पर विशेष ध्यान देती हैं। ये परियोजनाएं महिलाओं और लड़कियों के लिए अलग स्वच्छता सुविधाएं बनाकर, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को प्रोत्साहित करने और जल प्रबंधन समितियों में महिलाओं को शामिल करके लक्ष्य ५ को सहायता प्रदान करती हैं।

वाटर टैंक, फलोदी

जोधपुर के फलौदी में 765केवी भादला-II से फतेहगढ़-II टीएल के निकट एक पेयजल टैंक बनाया गया है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय की पानी की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें स्वच्छ पेयजल स्रोत प्रदान करना है। सुरक्षित और पीने योग्य पानी की उपलब्धता की गारंटी के लिए पानी की टंकी के निर्माण हेतु उपयुक्त फिल्टरिंग सिस्टम और भंडारण सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता होती है। इस पहल को शुरू करने से फलोदी में पानी की टंकी से स्थानीय लोगों की पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी और उनके स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जिंदगी पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी में आनंद बाजार और बेधा के लिए समर्पित जल आपूर्ति योजना

पावरग्रिड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजना के भाग के रूप में पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के आनंद बाजार और बेधा क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के लिए एक जल वितरण कार्यक्रम लागू किया है। इस परियोजना का उद्देश्य मंदिर तक भरोसेमंद और लंबे समय तक चलने वाली जल आपूर्ति प्रदान करना है जो उपासकों, तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों पानी की जरूरतों को पूरा करेगी। वितरण नेटवर्क, भंडारण टैंक और पाइप जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना जल आपूर्ति योजना का हिस्सा है। इस परियोजना को शुरू करके पावरग्रिड उन सुविधाओं की पेशकश के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करता है जो यह सुनिश्चित करेगी कि श्री जगन्नाथ मंदिर में आने वाले आगंतुकों को एक सुखद और संतुष्टिदायक आध्यात्मिक अनुभव मिले।

पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों पर सर्कुलेटिंग क्षेत्रों में पूर्व-निर्मित शौचालय

पावरग्रिड पूर्व मध्य भारतीय रेल (बिहार) स्टेशनों के सर्कुलेटिंग क्षेत्रों में पूर्वनिर्मित शौचालय स्थापित कर रहा है। इस परियोजना से स्वच्छता की स्थिति में सुधार होगा और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा। पूर्वनिर्मित शौचालय लंबे समय तक चलने वाले, रखरखाव में आसान और

पर्यावरण के अनुकूल बनाए गए हैं। इस परियोजना को शुरू करके, पावरग्रिड सार्वजनिक कल्याण को आगे बढ़ाने के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करता है और रेलवे स्टेशनों को उपयोगकर्ताओं के लिए स्वच्छ और अधिक सुन्दर बनाने में मदद करता है।

कूड़ेदान एवं ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन

पावरग्रिड दक्षिण सिक्किम में टेमी-नामफिंग निर्वाचन क्षेत्र के 11 नामफिंग जीपीयू के छलमथांग गांव में कूड़ेदानों की स्थापना और ठोस कचरे के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। इस पहल का उददेश्य ठोस कचरे का प्रबंधन करना और गांव में स्वच्छता को प्रोत्साहित करना है। रणनीतिक रूप से रखे गए कूड़ेदान सही कचरा निपटान को बढ़ावा और स्वच्छ वातावरण को सुनिश्चित करेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सहायता प्रदान करना पावरग्रिड के सीएसआर कार्यक्रमों का एक और भाग है। पावरग्रिड ने एसडीजी 3 - अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान की हैं, स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया है और गरीब क्षेत्रों को दवाएं और उपकरण वितरित किए हैं। पावरग्रिड स्वच्छता और स्वच्छता पद्धतियों पर जागरूकता अभियानों में सहायता प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

- उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में वॉटरटैंक के साथ ३० सबमर्सिबल पंप की स्थापना
- केन्द्रीय विद्यालय, आईएनएस मंडोवी, गोवा के लिए यूवी जल शोधन प्रणाली के साथ 120 लीटर क्षमता वाले २ वाटर कूलर
- फफरान/सौंटियाल गांव कोटेश्वर, उत्तराखंड के लिए गुल (तालाब-जल निकाय) का निर्माण
- स्वच्छता पखवाड़ा, 2022 का आयोजन
- वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ''स्वच्छता कार्य योजना'' का आयोजन
- निर्नुली, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं स्कूलों में शौचालय का निर्माण

ग्रामीण विकास को बढ़ावा

भारत में शीर्ष बिजली पारेषण यूटिलिटी में से एक पावरग्रिड ग्रामीण विकास में सहयोग देने वाली सीएसआर परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन-एसडीजी) के अनुरूप पावरग्रिड की सीएसआर पहल का ग्रामीण क्षेत्रों पर काफी प्रभाव पड़ा है। बुनियादी ढाँचा और सामुदायिक विकास (एसडीजी 11% बेहतर शहर और समुदाय) पावरग्रिड की सीएसआर पहल बुनियादी सेवाओं का भाग है और सामुदायिक विकास की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती है। पावरग्रिड दूरदराज के क्षेत्रों में सामुदायिक केंद्र का निर्माण, सामान्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और अधिक सड़कों को जोड़ने के लिए परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है।

बारां का कायाकल्प

बारां के आकांक्षी जिले में पावरग्रिड की सीएसआर परियोजना के भाग के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) का नवीनीकरण किया जा रहा है। यह पहल सामुदायिक विकास पर जोर देने के साथ इन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक प्रतिष्ठानों में दी जाने वाली सुविधाओं और सेवाओं को बढ़ाने का एक भाग है।

बच्चों को एक सुरक्षित और मनोरंजक वातावरण प्रदान करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों, जो प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और पोषण के लिए महत्वपूर्ण हैं, का नवीनीकरण किया जा रहा है। स्वच्छ पेयजल का प्रावधान, स्वच्छता सुविधाएं, बुनियादी ढांचे की मरम्मत और लर्निंग सहायता और खूलकूद सुविधाओं की स्थापना करना इस दिशा में एक सक्रिय कदम हैं। इन बदलावों से छोटे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया और समग्र विकास में सुधार होगा।

श्री बद्रीनाथ धाम के निर्माण एवं विकास हेतु वित्तीय सहायता

अपने सीएसआर कार्यक्रम के भाग के रूप में पावरग्रिड श्री बद्रीनाथ धाम को आध्यात्मिक स्मार्ट हिल टाउन के रूप में विकसित करने में वित्तीय योगदान दे रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य धार्मिक तीर्थस्थल को एक अत्याधुनिक एवं सुन्दर तीर्थयात्रा आकर्षण स्थल के रूप में बदलना है। बुनियादी ढाँचा, संचार और तकनीकी विकास विकास के कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो पावरग्रिड द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता से लाभान्वित होंगे। परिणामस्वरूप, उन्नत सड़कों, पुलों और अन्य परिवहन सुविधाओं के निर्माण के कारण तीर्थयात्रियों को आसानी से

पहुंच प्राप्त होगी। यह परियोजना स्वच्छ पानी, स्वच्छता सुविधाओं और बिजली की पहुंच जैसी सुविधाओं में सुधार पर भी जोर देगी।

ताओरू रोड, मानेसर की मरम्मत

पावरग्रिड के सीएसआर कार्यक्रम के तहत मानेसर की ताओरू रोड की मरम्मत और पुनर्निर्माण किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य सड़क नेटवर्क को उन्नत करना, पड़ोस के लिए बेहतर कनेक्शन और अधिक सुविधाजनक गतिशीलता का आश्वासन देना है। इस महत्वपूर्ण मार्ग को ठीक और रखरखाव करके, पावरग्रिड स्थानीय लोगों, यात्रियों और व्यवसायों के लिए पहुंच, सुरक्षा और सुविधा में सुधार करता है। सुगम पारगमन की सुविधा के अलावा, यह परियोजना विकास का समर्थन करेगी, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी और मानेसर निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करेगी।

पावरग्रिड केनापाली, टांगरपाली ब्लॉक, सुंदरगढ़ जिले की दक्षिण सीमा दीवार के बाहर डब्ल्यूबीएम सड़क का निर्माण

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के टांगरपाली ब्लॉक में परियोजना की दक्षिणी सीमा की दीवार के बाहर पावरग्रिड के सीएसआर कार्यक्रम के भाग के रूप में एक वाटर बाउंड मैकडैम (डब्ल्यूबीएम) सड़क बनाई जा रही है। इस पहल का लक्ष्य स्थानीय परिवहन और कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। डब्ल्यूबीएम सड़क के निर्माण से आस-पड़ोस तक पहुंच में सुधार होगा जिसके परिणामस्वरूप यातायात सुगम होगा और आर्थिक गतिविधि आसान होगी। इसके अतिरिक्त यह क्षेत्र के सामान्य विकास और उन्नति को आगे बढ़ाएगा। सुंदरगढ़ जिले में पावरग्रिड द्वारा की गई सीएसआर पहल स्थानीय लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएँ

- ग्राम बारीखुर्द बाबूपुर, तहसील रघुराज नगर, जिला सतना (म.प्र.) में स्टेडियम का निर्माण
- पश्चिम मेदिनीपुर (डब्ल्यू.बी.) में रेस्ट शेड, एप्रोच रोड, बायोटॉयलेट, ट्रैक्टर, स्टील वॉटर टैंक आदि
- पूर्वी चंपारण, बिहार में पार्क का निर्माण
- कैमूर (भभुआ) जिले (बिहार) में 2-2 किमी सड़क का निर्माण
- गांव पंचगांव, तहसील - मानेसर, गुरुग्राम (हरियाणा) में ताओरू रोड की मरम्मत
- कुरुक्षेत्र, हरियाणा में स्वच्छ ई-दिव्य कुरुक्षेत्र के तहत कार्य किया गया
- नाडिया जिले (पश्चिम बंगाल) के हरिनघाटा ब्लॉक के बिरोही-I ग्राम पंचायत में बक्शा खाल (नहर) की पुन: खुदाई/ड्रेजिंग और पुलिया और पहुंच मार्ग का निर्माण।

केस स्टडी

एसीटीआरईसी, टीएमसी में निर्मित पावरग्रिड ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स का प्रभाव

टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई कैंसर में उपचार, शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने के अधिदेश के साथ निजी परोपकार और सरकारी सहयोग के मिश्रण का एक आदर्श उदाहरण है। टीएमसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एक कैंसर अनुसंधान संस्थान है। टाटा मेमोरियल सेंटर का मिशन सभी को व्यापक कैंसर उपचार प्रदान करना है। कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र (एसीटीआरईसी) टीएमसी का अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है, जिसे 2001 में खारघर, नवी मुंबई में स्थापित किया गया था। वंचितों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध पावरग्रिड ने टीएमसी के साथ समझौता किया है और गरीबों और वंचितों को किफायती इलाज की सुविधा प्रदान करने के लिए एसीटीआरईसी परिसर, नवी मुंबई में महिला और बाल अस्पताल में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स की स्थापना की है।

गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के परिणामस्वरूप रुग्णता और मृत्यु दर चार प्रकार, हृदय रोग, कैंसर, क्रोनिक श्वसन रोग और मधुमेह से होती है। वर्ष 2020 में कैंसर के कारण लगभग 10 मिलियन मौतें हुईं जो कि लगभग छह मौतों में से एक है। डब्ल्यूएचओ ने 2022 में एक अध्ययन के आधार पर घोषणा की कि 28% कैंसर के कारण होने वाली मौतें हृदय रोगों के बाद दूसरी सबसे अधिक मौतें हैं, जो कि 54% थी। एनसीडी के कारण होने वाली कुल मौतों में से दो-तिहाई से अधिक मौतें भारत में होती हैं।

एसीटीआरईसी के अनुसार प्रोविजनल अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार 2022 में सिर और गर्दन के कैंसर के 37.9 प्रतिशत मामले हैं। 2022 में स्तन कैंसर के मामले 32.8 प्रतिशत, हेमेटोपोएटिक कैंसर 10 प्रतिशत, जेनिटोरिनरी ऑर्गन कैंसर 8.4 प्रतिशत, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र कैंसर 3.4 प्रतिशत और अन्य प्रकार के कैंसर के मामले 7.5 प्रतिशत दर्ज किए गए। सबसे आम सर्जरी स्तन, सिर और गर्दन, कोलोरेक्टम और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए की जाती है। इलाज के लिए आने वाले बच्चे मुख्य रूप से ब्लड कैंसर से पीड़ित होते हैं।

मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स अस्पताल की सातवीं मंजिल पर बनाया गया है। यह फ्लोर पूरी तरह से पावरग्रिड द्वारा वित्त पोषित है और इसमें कुल 14 ऑपरेशन थिएटर हैं। यह कॉम्प्लेक्स संक्रमण को रोकने के लिए उच्च स्तर की स्टेरिलिट सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम करने, परिणामों में सुधार करने के साथ ही अधिक रोगियों का उपचार सुनिश्चित करेगा।

एक वर्ष पूरा होने पर यह परियोजना तीसरे पक्ष, सेंटर ऑफ सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा प्रभाव मूल्यांकन के अधीन थी। यह अध्ययन परियोजना पर सीएसआर खर्च के प्रभाव और स्थिरता का आकलन करने के लिए किया गया है। महिला एवं बाल अस्पताल में पावरग्रिड द्वारा सीएसआर फंडिंग के तहत 14 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर स्थापित किए गए हैं और कॉम्प्लेक्स को 'पावरग्रिड ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स' नाम दिया गया है। इस परियोजना को पावरग्रिड द्वारा वर्ष 2020 में 29 फरवरी को मंजूरी दी गई थी और परियोजना 26 मार्च 2022 को टीएमसी को सौंप दी गई थी। मॉड्यूलर ओटी कॉम्प्लेक्स ₹26.50 करोड़ की लागत से बनाया गया था। वंचित कैंसर रोगियों को किफायती प्रारंभिक उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से यह परिकल्पना की गई थी कि केंद्र में लगभग 10,000 कैंसर रोगियों को उपचार मिलेगा, जिनमें से 60 प्रतिशत वंचित समाज से होंगे। प्रभाव आकलन के समय यह पाया गया कि पिछले छह महीनों में एमओटी में कैंसर के इलाज के लिए लगभग 2319 रोगियों की बड़ी सर्जरी हुई थी और 330 रोगियों की छोटी सर्जरी हुई थी। जिन मरीजों का इलाज हुआ उनमें से 70 प्रतिशत

महाराष्ट्र के, 8.2 प्रतिशत यूपी के, 4.3 प्रतिशत ओडिशा के, 3.7 प्रतिशत बिहार के और 13.4 प्रतिशत अन्य राज्यों के लोग थे।

कैंसर का इलाज जटिल प्रकृति का होने के कारण कुछ सर्जरी को करने में आठ घंटे से अधिक का समय लगता है, इसलिए, रोगियों के लिए प्रतीक्षा अवधि काफी अधिक होती है। पावरग्रिड ने कैंसर रोगियों के दुख को कम से कम कुछ हद तक कम करने में मदद की है। एमओटी की स्थापना के बाद असहाय रोगियों के लिए प्रतीक्षा अवधि लगभग 15-18 महीने से कम होकर 3 महीने हो गई है। एसीटीआरईसी में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटरों की स्थापना के मूल्यांकनकर्ता द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी पूरी तरह से ओईसीडी मापदंडों को पूरा करती है।

प्रासंगिकता - चूंकि कैंसर रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, एमओटी ने समाज के वंचित वर्ग को मामूली लागत पर शीघ्र उपचार प्रदान करने में मदद की है।

प्रभावशीलता - पिछले छह महीनों में पूरी तरह कार्यात्मक होने के बाद से एमओटी 2649 सर्जरी करने में सक्षम है।

दक्षता - दौरे के दिन सभी ओटी भरे हुए थे जो दर्शाता है कि इसमें पूर्ण दक्षता है।

प्रभाव - सभी हितधारकों की राय है कि एमओटी की स्थापना से उनके प्रतीक्षा समय में कमी आई है और अस्पताल अब अधिक रोगियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है।

स्थिरता - स्थिरता उपकरणों की कार्यप्रणाली पर निर्भर करती है। उपकरणों का जीवन चक्र लगभग 15 से 20 वर्ष का होता है।

केस स्टडी

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की प्रभावशीलता

भारत डिजिटलीकरण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोविड-19 महामारी ने देश में डिजिटल क्रांति को और तेज कर दिया है। जब लोग अपने घरों के भीतर रहने के लिए मजबूर थे तो तेजी से डिजिटल बदलाव उनके दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। लोगों की जरूरतें, सामाजिकरण, रोजी रोटी कमाना, खरीदारी, मनोरंजन, किसी भी चीज की जरूरत तेजी से डिजिटल हो गई है ऐसे में शिक्षा को पीछे नहीं छोड़ना था और मोबाइल फोन, कंप्यूटर और लैपटॉप पर ऑनलाइन कक्षाओं ने छात्रों के ज्ञान प्राप्त करने के तरीके को बदल दिया। लेकिन तब, सरकारी स्कूलों को संसाधनों की कमी के कारण बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने में कठिनाई हो रही थी।

तब पावरग्रिड, जिसने पहले ही कुछ राज्यों में सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के डिजिटलीकरण का काम शुरू कर दिया था, ने बड़े पैमाने पर चुनौती ली और हरियाणा के सरकारी स्कूलों में 480 कक्षाओं को इसके लिए चुना गया। अपने सीएसआर फंड के साथ पावरग्रिड ने तेजी से बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने के लिए हरियाणा के बारह जिलों में 240 सरकारी स्कूलों के शिक्षण कर्मचारियों को प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता सहित आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रदान किया। स्मार्ट क्लासरूम एक प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण

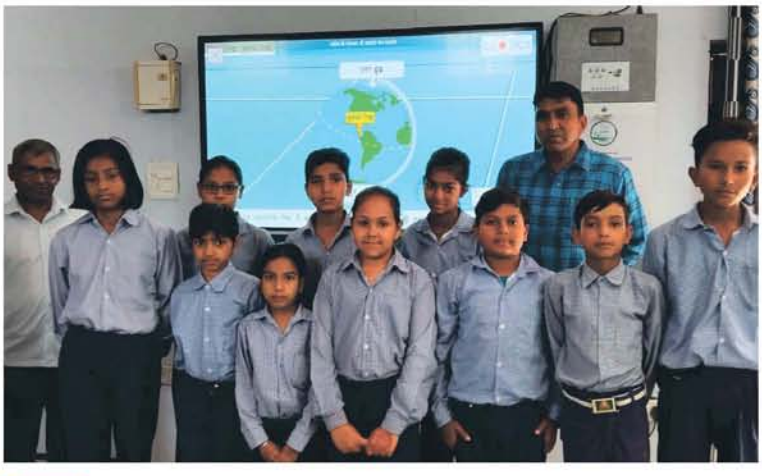

वातावरण है जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) का उपयोग करता है जिसमें विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल होते हैं जो छात्रों को सीखने और प्रशिक्षक और साथियों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करते हैं। यह छात्रों को व्यापक शिक्षा प्रदान करता है। स्मार्ट क्लासरूम रटने के पारंपरिक तरीकों से हटकर नवीन शिक्षण को बढ़ावा देता है। इसमें छात्रों के बीच रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की क्षमता है। यह छात्रों की आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ा सकता है। स्मार्ट क्लासरूम शिक्षकों के लिए भी उतना ही फायदेमंद है क्योंकि यह दिलचस्प और विस्तृत शिक्षण संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है।

इस परियोजना से पहले हरियाणा के 8 जिलों में 165 सरकारी स्कूलों की 330 कक्षाओं को स्मार्ट क्लास प्रौद्योगिकी समाधान के साथ उन्नत किया गया था और इससे शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया को बदलने में मदद मिली थी। नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चे बेहद गरीब और वंचित वर्ग से आते हैं। इन बच्चों के परिवार को अपना गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इन छात्रों को इस प्रतिस्पर्धी दुनिया के साथ चलने के लिए आधुनिक शिक्षण तकनीकों से सुसज्जित और सिखाया जाना जरूरी था।

एक वर्ष पूरा होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा हरियाणा के 12 जिलों के 240 सरकारी स्कूलों में 480 स्मार्ट क्लासरूम परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन किया गया और जिसके निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया।

- छात्र कक्षाओं में पढ़ाई गई अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदर्शित कर रहे हैं। नई अवधारणाओं को सीखने की जिज्ञासा बढ़ी है
- बेहतर विश्लेषणात्मक कौशल और छात्रों के स्मरण शक्ति में कई गुना सुधार हुआ है।
- उन्हें कक्षा में सीखना आनंददायक और दिलचस्प लग रहा है।
- छात्र कक्षाओं में अधिक चौकस और नियमित हो गए हैं।
- पिछड़ी पृष्ठभूमि से आने वाली लड़कियों और छात्रों में आत्मविश्वास विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है।
- छात्रों ने डिजिटल प्रौद्योगिकी को संभालने में उच्च स्तर की सहजता का प्रदर्शन किया।
- शिक्षक कक्षाओं को अधिक आकर्षक बनाने के लिए शिक्षण के नवीन तरीकों का उपयोग कर सकते हैं।
- इस तकनीक ने शिक्षण संकाय को उनके व्याख्यानों के लिए संसाधनों का एक विशाल चयन प्रदान किया है, जिससे शिक्षण अधिक समृद्ध, आसान और मनोरंजक हो गया है।
- त्रि-आयामी छवियों और रेखाचित्रों के साथ शिक्षण अधिक प्रदर्शनात्मक है।

- शिक्षक छात्रों की शंकाओं को दूर करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है।
- इस परियोजना में ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन के साथ-साथ निजी और राज्य-संचालित स्कूल के बीच विभाजन को कम करने की क्षमता है।

यह पहल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 4 को पूरा करती है जो दुनिया में शांति और समृद्धि के लिए आवश्यक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। यह पहल एसडीजी 5 में भी योगदान देती है जो लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है क्योंकि यह लड़कियों के हाथों में प्रौद्योगिकी लाती है और अंततः उनके सशक्तिकरण में योगदान देती है। उपरोक्त का प्रभाव, लंबे समय में, एसडीजी 10 में योगदान देने की संभावना है जिसका उद्देश्य देशों के भीतर असमानता को कम करना है।

ओईसीडी मापदंडों के अनुसार तृतीय पक्ष मूल्यांकन इस प्रकार है:

प्रासंगिकता-यह कार्यक्रम इस डिजिटल युग में छात्रों के लिए बहुत प्रासंगिक है। इससे सीखने में उनकी रुचि बढ़ी है और यह एक रचनात्मक और आनंददायक अनुभव बन गया है। स्मार्ट कक्षाओं ने विषयों में उनकी रुचि बढ़ा दी है क्योंकि वे अवधारणाओं को अधिक आसानी से समझने में सक्षम हैं।

प्रभावशीलता - कार्यक्रम बहुत प्रभावी पाया गया है क्योंकि इससे सीखने की प्रेरणा बढ़ी है और प्रौद्योगिकी के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ी है। इसने उन्हें नियमित रूप से स्कूल जाने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। कार्यक्रम का आनंददायक पहलू यह है कि इससे उन लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा है जो आत्मविश्वास के साथ प्रौद्योगिकी के उपयोग करती हैं। इसकी प्रभावशीलता इस बात में भी दिखाई देती है कि शिक्षक कक्षाओं को इंटरैक्टिव और दिलचस्प बनाने के लिए शिक्षण सामग्री का रचनात्मक उपयोग कर रहे हैं।

प्रभाव - कार्यक्रम का बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है। इसने डिजिटल विभाजन को कम कर दिया है और यह समाज वंचित और कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए उपलब्ध है। इससे छात्रों में सीखने की रुचि और शिक्षकों में नवोन्वेषी तरीकों के इस्तेमाल में रुचि और आत्मविश्वास बढ़ा है। छात्रों ने स्वीकार किया है कि वे अब स्कूल आने के लिए अधिक प्रेरित हैं क्योंकि पाठ दिलचस्प और सीखने में आसान हो गए हैं।

दक्षता - कार्यक्रम कुशल है क्योंकि छात्रों और शिक्षकों द्वारा इस तकनीक की उच्च स्तर की स्वीकृति और उपयोग है। वारंटी के तहत स्मार्ट क्लासरूम के कवरेज के कारण प्रौद्योगिकी के उपयोग में किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाता है। डोंगल के माध्यम से इंटरनेट कनेक्शन की सुविधा प्रदान की जाती है, शिक्षकों को प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

स्थिरता - कार्यक्रम संधारणीय है क्योंकि यह राज्य सरकार के शिक्षा विभाग से जुड़ा है जो इस पहल में हितधारकों में से एक है।

पुरस्कार

दिनांक 18.12.2022 को न्यूयॉर्क में पावरग्रिड को **2022 प्लैट्स ग्लोबल एनर्जी अवार्ड** ''कॉर्पोरेट इम्पैक्ट अवार्ड - क्रिटिकल रिस्पांस'' श्रेणी में प्रदान किया गया। यह हमारे सीएसआर हस्तक्षेप, 'प्रोजेक्ट असिस्ट' की मान्यता है, जो उन बच्चों और युवाओं तक पहुंचता है जिन्होंने असम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ राज्यों में सांप्रदायिक, जातिगत, जातीय या आतंकवादी हिंसा के परिणामस्वरूप अपने माता-पिता या प्राथमिक देखभाल करने वालों को खो दिया है।

पावरग्रिड को दिनांक 30.05.2022 को द वाल्डोर्फ, लंदन में **अंतर्राष्ट्रीय सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया**। लंदन में ही संसद के सदनों में दिनांक 21.11.2022 को **सीएसआर वर्ल्ड लीडर 2022 पुरस्कार** प्रदान किया गया। अपने समुदाय और पर्यावरण के लिए 'ए कंपनी दैट केयर्स' जैसी साख की सराहना में ये पुरस्कार पावरग्रिड को दिये गए।

गवर्नेंस नाउ ने नई दिल्ली में राष्ट्र निर्माण में सीएसआर और स्थिरता के क्षेत्र में अपने योगदान की मान्यता में पावरग्रिड को दिनांक 16.02.2023 को **सीएसआर लीडर अवार्ड** से सम्मानित किया।

माननीय केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दुनिया के सबसे बड़े नदी कायाकल्प कार्यक्रम, **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन** में योगदान के लिए पावरग्रिड को सम्मानित किया। यह पुरस्कार दिनांक 05.11.2022 को नई दिल्ली में दिया गया।

पावरग्रिड विश्राम सदन

पावरग्रिड ने देश भर में फैले विभिन्न स्थानों पर विश्राम सदन (विश्राम गृह) का निर्माण किया है। वित्त वर्ष 2022-23 तक कुल 09 विश्राम सदनों को मंजूरी दी गई है जिनमें से 08 पहले ही सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ पूरे हो चुके हैं और 01 विश्राम सदन ब्रह्मपुर, ओडिशा में निर्माणाधीन है। ये विश्राम सदन गरीब और वंचित मरीजों और उनके परिचारकों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं जो अपने प्रियजनों के इलाज के लिए दूर-दराज से आते हैं।

रोगियों और उनके परिचारकों को आश्रय प्रदान करने की यह नेक पहल देश में आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को स्पष्ट रूप से ऊपर उठा रही है। पावरग्रिड द्वारा यह तो सिर्फ शुरुआत है, समाज पर उच्च प्रभाव डालने वाली ऐसी और परियोजनाएं सीएसआर के तहत शुरू की जा रही हैं।

Overview

POWERGRID - A Maharatna Central Public Sector Enterprise

37 Subsidiaries & **11** Joint Ventures

3rd Largest CPSE in India (Gross Block)

Foot Prints in **23 Countries**

Credit Rating

Domestic
CRICIL 'AAA' / Stable (Highest Safety)
ICRA 'AAA' / Stable (Highest Safety)
CARE 'AAA' / (Highest Safety/Lowest Credit Pick)

International
Baa3 (Outlook - Stable) - Moody's
BBB (Outlook - Stable) - Fitch
BBB (Outlook - Stable) - Standard & Poor's

TRANSMISSION

- 174113 ckm Transmission Lines and 1459 Nos.
- 499360 MVA and 272 Nos. of Substations
- >99% System Availability
- IR Capacity 97290 MW (>85% of India's Capacity)
- Transmitting 45% of India's Power

CONSULTANCY

- 17 Ongoing International assignments
- 09 New International assignments
- 82 Ongoing Domestic assignments

TELECOM PERFORMANCE

Upcoming Services_ILD Connectivity

- With neighboring countries Bhutan, Nepal, Myanmar and Bangladesh
- ₹729 Crore Income
- 128 New Customers added
- 99.997% Backbone availability
- 3000 Locations in Pan India Network

Multiple Year Orders

- Global OTTs, Government Departments, Public Sectors, Private Entities, ISPs, etc
- Fibre Leasing agreements with state Discoms

Business Segments

- Leased Lines
- MPLS-VPN
- Data Services, Infrastructure Services

GROWTH OUTLOOK SECTORAL

- Transmission corresponding to 125 GW RE capacity addition for Green Hydrogen
- **Other Related Opportunities:** Solar Generation, Data Centre Business, Smart Metering, International Transmission projects in developer mode
- Integration of AI/ML techniques for defect identification during patrolling of transmission lines
- Rated as best utility in Transformers Maintenance and 3rd best utility in Vegetation management in ITOMS for 2021-22

CSR IN POWERGRID

Vision

"To be a Corporate that sets a long term strategy for Social & Economic Development of communities through initiatives in rural development, education, skill development, health and other areas of national importance and adhere to sustainable environmental practices"

Mission

"To align CSR and Sustainability policy with the business policy so as to conduct business in a sustainable manner adhering to the principles of Avoidance, Minimization and Mitigation in dealing with environmental and social issues and to undertake high impact community development projects of national and local importance in consultation with stakeholders"

The 21st century has made corporate social responsibility (CSR) and sustainability essential components of business operations. CSR portrays relationship between a corporation and society. POWERGRID being a Maharatna PSU and a leading company in the power transmission sector of India understands the value of CSR and has created a vision and mission to direct its CSR operations. POWERGRID's vision and mission, emphasize on stakeholders' participation, social and economic development with environmentally sound and sustainable practices. POWERGRID is committed to leaving a healthy impact on the people and the planet in addition to good profits with its business strategy.

POWERGRID wishes to establish itself as a corporate body that develops long-term plans for the social and economic advancement of localities specially the Rural area. POWERGRID intends to conduct business in a sustainable manner and contribute to the social and economic development of communities by integrating CSR and sustainability policies with its strategic priorities.

POWERGRID Understands that long-term progress depends on the welfare of all stakeholders, not just its own success, which is why it places a strong emphasis on social development. POWERGRID collaborates with Government Agencies and local communities to conceive, plan and implement these CSR initiatives effectively.

POWERGRID has developed a purpose that unites its CSR and environmental policies with its overarching business strategy. When tackling environmental and social challenges, the organization is dedicated to conducting business sustainably and follows the concepts of Avoidance, Minimization, and Mitigation. POWERGRID is aware of how its operations are reliant on both the health of the people it serves and the environment.

The goal of POWERGRID demonstrate its unrelenting dedication to sustainability and social responsibility.

CSR Overview (2022-2023)

CSR Budget Allocated	: 312 Cr.
Actual Expenditure	: 321 Cr.
Projects Sanctioned	: 168 Nos.
Projects Completed	: 135 Nos.

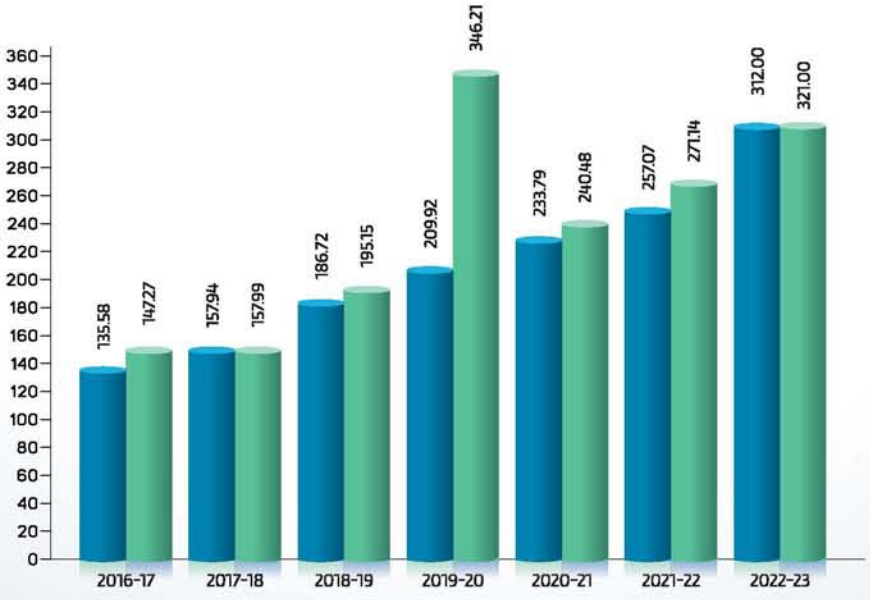

Figures, ₹ in Crores

Reference from Website

Thrust Area wise Cost of Approved Projects

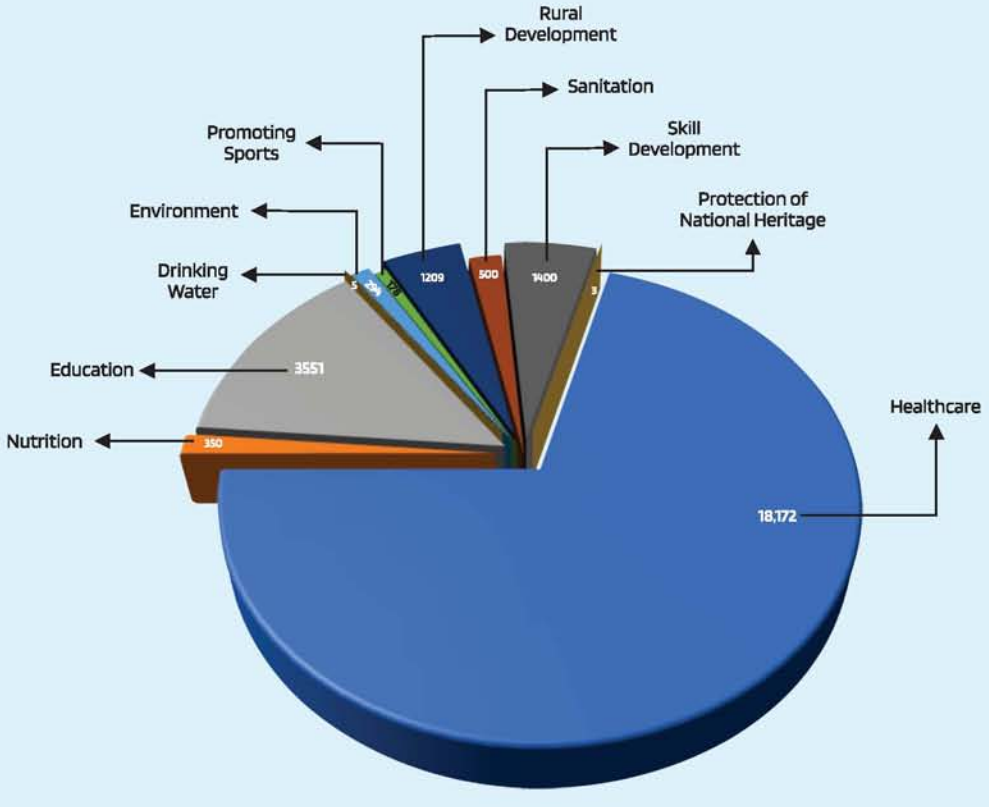

Figures, ₹ in Lakhs

Promoting
Health and Nutrition

In order to achieve sustainable development and enhance the general wellbeing of people and communities, health and nutrition are crucial. POWERGRID's programs concentrating on maternal and child health seek to lower rates of maternal and infant mortality, improve antenatal care, and give pregnant women and children nutritional support. Other initiatives emphasize vaccination drives, assuring the availability of necessary vaccines, and raising public awarness knowledge of preventative healthcare practices.

Modular OT at Women and Children Hospital, TMC, Mumbai

With the growing population in India, the demand of healthcare facility has increased and the existing healthcare facilities need upgradation with latest modern technology. With this objective, POWERGRID has developed 14 Modular Operation Theatres at the Women and Children Hospital, ACTREC, TATA MEMORIAL CENTRE as part of CSR project aligning with the UN-SDGs. The objective of this project was to create additional facility and to further improve the services and healthcare infrastructure offered to women and children who require specialist medical care through ultramodern technology in the field of Bio-Medical treatment. Modern medical facilities and equipment have been installed in the modular operation theatres to provide a sterile and effective environment for surgeries and other medical procedures. Medical personnel are able to provide top-notch healthcare services with cutting-edge technology ensuring precise diagnoses and risk-free surgical procedures.

The modular OT post completion has enabled ACTREC to perform additional 10,000 advanced surgeries annually on cancer patients, belonging to Women and Children. Majority of these beneficiaries are from the underprivileged section of society. Treatment of cancer among children has better outcomes, if treatment is started in early stage.

Hub and Spoke model Tele- ICUs at Sanjay Gandhi Post Graduate Institute of Medical Science

Critical care services and patient outcomes have significantly improved as a result of the adoption of a Hub and Spoke model for Tele-ICUs at the Sanjay Gandhi Post Graduate Institute of Medical Sciences (SGPGIMS) as part of POWERGRID'S CSR activities. Using telecommunications technology, the hub and spoke model of healthcare delivery links a central hub with specialized resources and knowledge to outlying spoke facilities.

The central hub, which is housed at SGPGIMS, acts as a command center under this approach and is staffed with intensivists, critical care nurses, and other medical specialists. The hub has cutting-edge monitoring and telecommunications systems that permit remote monitoring in real time and consultati a with the spoke facilities.The spoke facilities are linked to the hub via telecommunications lines and are situated in undeveloped orrural areas.

Vishram Sadans at DMCH, Darbhanga and GMCH, Guwahati

Darbhanga Medical College and Hospital (DMCH), Darbhanga in Bihar and Guwahati Medical College and Hospital (GMCH) at Guwahati in Assam are now having Vishram Sadans (Rest Houses) built as part of POWERGRID CSR initiative. These are fourth and fifth such facilities in a series of Vishram Sadans being established at premium government hospitals in the country where patients come for treatment from various parts of their respective states and also from other parts of the country. This initiative, which facilitates approachable healthcare services for patients and provides peace and relief to the family members accompanying patients for treatment at the hospital. The Vishram Sadan offers patients and their caregivers clean, decent, affordable and pleasant lodging and boarding facilities. Vishram Sadan is like a second home for the patient and his attendants ensuring a warm, comfortable and supportive environment in the time of emotional highs and lows that they are going through during the course of medical treatment, and of course, without impacting their shallow pockets.

supportive environment in the time of emotional highs and lows that they are going through during the course of medical treatment, and of course, without impacting their shallow pockets.

This CSR initiative is an important step towards enhancing healthcare infrastructure and contributing to the well-being of communities, and aligns with the UN Sustainable Development Goals.

A quick look at their statistics:

	DMCH	GMCH
Built-up area:	5285 sqm.	3878 sqm.
No. of Beds :	260	153
Dedicated on:	20.10.2022	15.11.2022

Inauguration of Darbhanga Vishram Sadan by Shri R.K. Singh, Hon'ble Cabinet Minister for Power, New and Renewable Energy

Hon'ble Chief Minister of Assam Dr. Himanta Biswa Sarma inaugurating Vishram Sadan in Guwahati.

Supply of Medical Equipments to ESIC Hospital, Faridabad

Patients undergoing neurosurgical procedure at ESIC Medical College and Hospital at Faridabad can now have a more safer, less painful and less time consuming treatment. POWERGRID has under its CSR initiative provided one Neuro Surgery Microscope and an Intra Operative Neuro Monitoring (IONM) device to ESIC Medical College and Hospital in Faridabad. IONM system allows physicians to monitor critical neural pathways and reduce the risk of post operative neurological deficits. This nerve monitoring system provides accurate and immediate warning of potential harm to critical neural pathways and has an easy-to-use interface and thus, improve patient safety.

The Regional Cancer Centre, Thiruvananthapuram

The Regional Cancer Centre (ECC) in Thiruvananthapuram, Kerala has been provided financial support by POWERGRID's for establishment of a Ring Gantry Linear Accelerator for radiotherapy treatment. For the benefit of cancer patients in the area, this cooperation intends to strengthen the healthcare system and services offered by the Regional Cancer Centre. The financial support is extended to facilitate modernizing medical technology, guarantee high-quality cancer care, and increasing treatment capacity.

Ring Gantry Linear Accelerator is an AI based adaptive cancer treatment advanced radiotherapy machine which contributes to a faster treatment delivery and can treat about 120 patients in a day, which is a very big number. It enables highly precise and targeted radiation therapy, ensuring that cancer cells receive maximum radiation while minimizing damage to surrounding healthy tissues. Treatment is done with minimum radiation, thus minimizing side effects and better life of the patient post therapy.

Nutritional supplements and Learning aid kits to Children of Anganwadi centres in Adilabad District

The growth, health, and academic outcomes of children at Anganwadi Centers are significantly impacted by POWERGRID's CSR programs centered on providing nutritional supplements and learning aid packages. POWERGRID aids in ensuring that children have a better and more promising future by tackling hunger, promoting early childhood development, by strengthening Anganwadi Centres. These programs support the overarching objective of promoting inclusive and all-encompassing development of children, regardless of their socioeconomic status. In order to promote children's entire growth and wellbeing, Major contributions for improving nutrition and development of children are following.

- Nutritional Supplements
- Addressing Malnutrition
- Empowering Anganwadi Centres
- Improved Health and Well-being
- Learning Aid Kits

100 bed Paediatric ICU at GSVM Medical College, Kanpur

As part of POWERGRID's CSR initiatives, a 100-bed pediatric intensive care unit was established at GSVM Medical College in Kanpur, which represents a significant step towards enhancing the quality of pediatric healthcare in the area. It guarantees that patients have access to specialist care, and supports the growth of pediatric critical care knowledge and infrastructure in general.

MRI Machine installation at Vivekanand Medical Institute, Palampur

POWERGRID financed an MRI (Magnetic Resonance Imaging) machine at Vivekananda Medical Institute (VMI) in Palampur, Himachal Pradesh. The objective of this project is to strengthen local community healthcare services in this remote area while enhancing diagnostic capabilities and thus make high quality medical facility more accessible in the neglected areas. The local populace is being benefitted from this endeavor since it has enabled better healthcare diagnosis and effective timely treatment at their doorstep without they having to move to metro cities in search of treatment at higher expenses.

Other Important Projects

- Medical equipment and Instruments to the various Government Health Centres in the State of Sikkim
- Establishment of 100 bedded Pediatric Intensive Care Unit (PICU) at GSVM Medical College, Kanpur UP
- Medical Equipments / Instruments, required to establish an Emergency ICU set up in District Headquarter Hospital (DHH Koraput) in Jeypore (Odisha)
- Medical equipments and instruments at various Hospitals in Kalahandi District, Odisha
- Supply of 5 Ambulances to 5 districts, Vizianagaram, Guntur, Kadapa, Chittoor and Prakasam in Andhra Pradesh

Empowerment **through Education**

Education always serves as the most powerful tools for the empowerment of society transformation. Education is the best tool to understand the world while breaking all the barriers and opening the doors to opportunities for an individual. The importance of Education is recognized all around the world and UNSDG also marked goal 4 for the improvement of education standard and affordable education facility for all.

POWERGRID is instrumental in transformational change in society while choosing and implementing CSR projects in Education sector. The CSR projects are meticulously conceived to cover different facets of education like Smart classrooms program for Primary and secondary education, Vocational training program for technical education seekers, Library digitization for book lovers, Scholarship programs, etc.

Empowering through education is a multifaceted journey that involves acquiring knowledge, development of individual thinking and fostering the mindset of continuous learning. POWERGRID is contributing to society development by illuminating the path of education for everyone in the society.

Hardayal Municipal Heritage Public Library

A reservoir for cultural legacy, the Hardayal Municipal Heritage Library is home to priceless manuscripts, rare books, and old papers. Initiatives for the preservation and digitalization of these priceless materials are part of POWERGRID's CSR commitment. The library becomes a useful tool for scholars, historians, and enthusiasts interested in the cultural legacy of Delhi and beyond by preserving and making these items available through digitization.

The Hardayal Municipal Library in Delhi has benefited greatly from POWERGRID's CSR contribution, which has helped to advance education, literacy, and intellectual growth. The library has been renovated into a cutting-edge and thriving center of study and information because of POWERGRID's infrastructure development, increased resources, technological breakthroughs, and community involvement. The assistance offered is consistent with the larger objective of advancing education, safeguarding cultural assets, and encouraging intellectual development within the community.

Scholarship programme, IIT Madras

POWERGRID is making a sizeable contribution to IIT Chennai as part of its CSR initiatives in order to establish a Merit-Cum-Means (MCM) scholarship program for B-Tech students. This program aims to assist worthy students who have outstanding academic ability but are unable to afford their studies. This effort is consistent with POWERGRID's mission to benefit the society by supporting education and developing the next generation of technological leaders.

POWERGRID understands the significance of education for rural development (SDG 4 - Quality Education).

Projectors given to Ramakrishna Mission for government schools of Rajasthan

Through its CSR endeavors, POWERGRID provided 200 projectors to Ramakrishna Mission for use in public schools in Rajasthan, which had a significant effect in the educational field. This program bridges the gap between urban and rural education, supports digital literacy among students, encourages the use of technology in the classroom, and improves teaching strategies. The dedication of POWERGRID to education and technology-driven learning enriches the educational system as a whole in the state of Rajasthan.

Other Important Projects

- Smart Educational Gadgets, Like Tablets And Smart Tvs to Model School In Chinnasalem, Kallakuruchi District, Tamil Nadu
- Comprehensive CSR activities which include providing solar lights in rural areas, installation of RO water ATMs in 50 govt. schools and revamping 300 Anganwadi contres in Ranchi District, Jharkhand
- Construction of classrooms, toilets and supply of study desks in Govt. Schools, Kota
- Establishment of POWERGRID Gyan Kendra (PGK) and furnishing the existing infrastructure at "Hardayal Municipal Heritage Public Library, Delhi
- Construction of Double storey building with 16 class rooms and furniture for Govt Senior Secondry Girl School, Moga (Punjab)
- Construction of Tribal Hostel in Balrampur, U.P.
- Construction of Researchers' Hostel at Jorhat Engineering College, Assam
- Construction of 6 number of Classrooms at Dhanora village, Parli, Maharashtra
- Construction of Schedule Caste Senior Girls Hostel for 50 girl students) at Tehsil Sarai in Singrauli District, MP

Sustainable Livelihood and **Women Empowerment**

Achieving inclusive and equitable development requires a sustainable way of life and empowerment of women. In India, POWERGRID's Corporate Social Responsibility programs have become important forces in advancing prospects for sustainable livelihood and empowering women. Stronger economies, healthier communities, and more inclusive societies all benefit from empowered women. With POWERGRID'S CSR initiatives aspires to achive generallivelihood strategies for women.

Engagement of Apprentices

As part of its CSR initiatives, POWERGRID has taken up training program for apprentices. This initiative seeks to assist and empower young people who are pursuing apprenticeship training in a variety of trades. POWERGRID aids in the overall growth and welfare of these trainees by offering technical training and stipend as financial support in order to foster skill growth and improve employability. This year the program supported 1028 young people.

The CSR initiative of POWERGRID, which provides stipends to apprentice trainees, is essential for boosting socioeconomic development, skill development, and employability.

Skill Development Programme in the field of Plastic Engineering and Technology

A plastic engineering and technology skill development program has been conducted at CIPET Murthal by POWERGRID as part of its CSR initiatives. By giving them specialized training in the plastic sector, this program seeks to empower disadvantaged and unemployed people. The participants' employability and socioeconomic advancement are aided by POWERGRID's CSR project by providing them with crucial skills and information.

POWERGRID equips disadvantaged people with the essential resources to find productive employment and raise their socioeconomic standing by offering them skill development courses. This program seeks to provide 100% employability after training

Distribution of Sewing Machines and imparting Training in tailoring

For girls and women bellowing to under privileged and economically weak sections in the Mangaon Gram Panchayat near Koteshwar pooling station, POWERGRID has given sewing machines and launched a six-month training program in tailoring. The initiative seeks to empower young women by giving them useful tailoring skills and the resources they need to pursue a career in this area. The project's participants and the community are both significantly affected in a number of ways.

19 Nos. Sewing machines were distributed and training imparted to use these machines and learn tailoring so that could carve out their livelihood.

In rural areas, skill development and they livelihood improvement are given priority in POWERGRID'S CSR activities (SDG 1: No Poverty, SDG 8: Decent Work and Economic Growth). As stated in SDGs 1 and 8, these projects help rural communities by providing them with the skills they need to find jobs or start their own businesses.

Vocational training for girls of the North East

Vocational training for girls in the Beautician trade, sponsored by POWERGRID CSR, empowers them with valuable skills. This initiative promotes economic independence, fosters entrepreneurship, and enhances regional development. By investing in such training, POWERGRID contributes to women's empowerment and overall socio-economic growth in the North East.

Other Important Projects

- Furniture for Working Women Hostel, Mewat
- Distribution of 600 Nos. Stainless Steel Cookware Set to persons belonging to socio-economically deprived sections of the society working/residing in and around Sec-43 and Sec-46, Gurugram
- Development of Playground with all necessary facilities at K.B. Women's Govt. College, Hazaribagh, Jharkhand

Protecting the Environment and **Promoting Sustainable Agriculture**

A sustainable future is achieved through environmental protection and promotion of sustainable agriculture.

For the purpose of preserving biodiversity, slowing down climate change, and safeguarding the health of ecosystems, environmental conservation is crucial. It safeguards natural resources, enhances the quality of the air and water, and maintains healthy community livelihoods. Sustainable agriculture includes farming methods that support soil health, biodiversity, and effective resource use. It seeks to increase food security, lessen environmental deterioration, and support farmers' economic viability.

Through its CSR initiatives, POWERGRID engages in a wide range of activities, including planting campaigns, waste management initiatives. renewable energy projects, and the promotion of sustainable agricultural methods. These activities support Goal-12 by using eco-friendly methods.

Plantation in Smritivan Memorial Project, Bhuj

A number of advantages are provided to the neighbourhood and beyond by the Plantation in Smitivan Earthquake Memorial and Museum Project as part of the world's biggest Miyawaki Forest in Bhuj, Kutch, which is one of POWERGRID'S CSR activities. In addition to commemorating the tragic earthquake that struck the area in 2001, this project advances the environmental, cultural, and educational aspects of the area.

It supports environmental preservation, improves the area's aesthetic appeal, pays honor to the earthquake victims, offers educational and cultural resources, involves the neighbourhood, and encourages disaster preparedness. The project serves as a showcase for POWERGRID'S dedication to sustainable development and highlights the company's role as a responsible corporate entity.

Tree Plantation Campaign on "National Earth Day" at Tiger Army Pre-Primary School, Satwari

For "National Earth Day" on April 22, 2022, Tiger Army Pre-Primary School (TAPPS) in Satwari hosted a tree planting campaign organized by POWERGRID as part of its CSR initiatives. This campaign aims to increase public awareness of the value of tree planting and environmental preservation. The incident significantly affected the environment, the community, and the school in a number of ways.

The Tree Plantation Campaign promoted civic engagement and participation. It united the local community and the professors, staff. and students, fostering a sense of shared responsibility for the environment. This group effort highlighted how crucial cooperation is in resolving environmental issues.

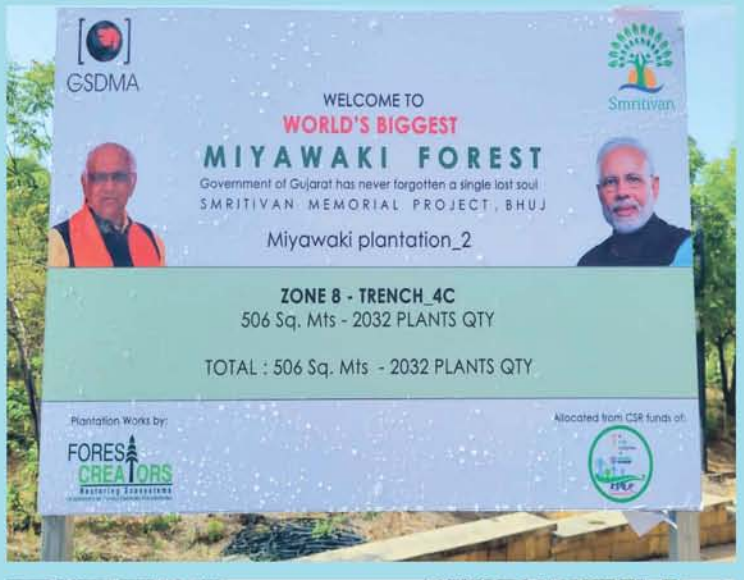

School, State and National level Painting Competition on Energy Conservation-2022

Energy conservation advocacy and youth involvement were significantly demonstrated the State and National level Painting Competitions on Energy Conservation organized by the Bureau of Energy Efficiency (BEE) in partnership with POWERGRID'S CSR. The competition encouraged kids to express themselves creatively, conserve energy, and develop sustainable mindsets. Additionally, it promoted public education about energy conservation, enabling the next generation to take charge of their energy use and take care of the environment. Students' artworks were displayed in schools, community centers, and public gatherings

Rejuvenation of Ponds at Daulatabad

POWERGRID is revitalizing ponds in the Gurugram villages of Daulatabad and Dharampur as part of its CSR project. The goal of this project is to revive and repair these water bodies while maintaining their ecological balance and benefitting the neighborhood greatly The ponds' habitat and water quality has been Improved by removing pollutants, silt, and other debris during the rejuvenation process. Desilting embankment maintenance, and the building of check dams are further actions that have taken to increase water storage capacity and stop soil erosion.

With regard to irrigation, groundwater replenishment and livestock watering, the rehabilitated ponds is a useful resource for the villages. Additionally, these revitalized water bodies aid in the preservation of biodiversity and offer community recreation areas.

POND BEFORE CLEANING

POND AFTER DEWATERING

POND NOW AFTER CLEANING

POND AFTER DESILTING

Fostering Sports
Art and Culture

Promotion of sports, Art & Culture fosters creativity, wellbeing, and social cohesion in the society. The CSR efforts of POWERGRID are significantly advancing sports, art, and culture for a sustainable and inclusive society by focusing on talent development, community participation, cultural preservation and development of infrastructure.

Sports are essential to both individual and community growth. Sports provide social interaction, teamwork, discipline, and physical fitness.

CSR programs in sports, arts, and culture has addressed gender equality and social development. These programs support Goal 5 by fostering equitable opportunities for women and girls in sports.

Renovation of Badminton Court of Officers' Club at Lamphelpat, Imphal

As part of its Corporate Social Responsibility (CSR) program, POWERGRID, a prominent power transmission firm, has renovated the badminton court at the Officers' Club in Lamphelpat, Imphal. The goal of this project is to improve the club's amenities and encourage members to participate in sports. New lighting fixtures are being installed, the court surface is being upgraded, and the infrastructure as a whole is being improved. PowerGrid shows its dedication to helping the neighborhood and promoting a healthy, active lifestyle by investing in this project. It would be easier to play on the refurbished badminton court, which will help Imphal's sports scene grow.

Development and Upgradation of Dichenling Crematorium Complex, Gangtok

The community gains from POWERGRID's CSR project to construct and upgrade the Dichenling Crematorium Complex in Gangtok in a number of ways. The upgraded facilities and infrastructure guarantee a respectful and dignified setting for performing last rites. The initiative promotes community welfare, preserves cultural customs, and may take environmental factors into account. By working to deliver crucial services and protect cultural values in the neighborhood, POWERGRID demonstrates its dedication to social responsibility.

For the neighborhood, the Dichenling Crematorium Complex is important culturally. The cultural customs and practices connected to cremation ceremonies are preserved and upheld thanks to its development and improvement. By ensuring that these traditions are kept and honored, the project fosters a feeling of cultural identity and legacy.

Upgradation of Stadium in Hailakandi

POWERGRID has taken up the responsibly of upgradation and improvement of the Public Sports Field at District Sports Association Ground in Hailakandi district of Assam as part of its CSR initiative. This project aims to enhance the infrastructure and facilities of the Stadium providing better amenities for athletes and the local community. The upgradation work includes improving the playing surface, installing modern lighting systems, and upgrading the seating arrangements. By undertaking this project, POWERGRID demonstrates its commitment to promoting sports and fostering a culture of physical fitness in Hailakandi. The improved Public Sports Field will serve as a hub for sporting activities and contribute to the overall development of the region.

Indoor Sports Complex North in Lakhimpur, Assam

In North Lakhimpur, Assam, POWERGRID is working on the construction of an indoor sports complex. By building a cutting-edge facility for indoor sports, this initiative hopes to encourage a culture of physical fitness in the area. Many indoor sports facilities, including badminton, table tennis, and basketball courts, will be housed in the complex. Additionally, it will have contemporary conveniences like locker rooms, seating for spectators, and equipment storage. By contributing to this project, POWERGRID demonstrates its dedication to fostering the growth of sports and giving the neighborhood access to activities that promote an active lifestyle. The North Lakhimpur Indoor Sports Complex will be a center for athletic achievement and neighborhood involvement.

Ensuring Access to
Clean Drinking Water and Sanitation

Importance of Clean Drinking Water and Sanitation

A fundamental human right is to have access to sanitary facilities and clean drinking water. For the purpose of preventing waterborne illnesses, fostering good health, and supporting general wellbeing, clean drinking water is essential. For preserving hygiene, respectability, and environmental sustainability, sanitation facilities are necessary. These facilities must include toilets and effective waste management systems. Access to these basics helps promote gender equality, increased educational opportunities, better health outcomes, and economic productivity.

Construction of water infrastructure, providing access to clean water, creating restrooms, implementing waste management systems, and running hygiene awareness programs are just a few of the many tasks covered by POWERGRID's CSR projects. These programs seek to enhance community well-being, advance environmentally friendly water management methods, and guarantee access to sanitary facilities.

CSR projects in water and sanitation pay particular attention to gender equality. These projects support Goal 5 by creating separate sanitation facilities for women and girls, encouraging menstrual hygiene management, and include women in water management committees..

Water Tank, Phalodi

A drinking water tank has been built at Phalodi, Jodhpur in proximity to 765kV Bhadla-II to Fatehgarh-II TL. This initiative intends to address the local community's water shortage problems and give them a dependable source of hygienic drinking water. In order to guarantee the availability of safe and potable water, the construction of the water tank requires the installation of suitable filtering systems and storage facilities. By launching this initiative, The water tank at Phalodi will substantially help to meet the needs of the locals for drinking water and have a favorable effect on their health and everyday lives.

Dedicated Water supply scheme to Ananda Bazar and Bedha at Shree Jagannath Temple, Puri

As part of its Corporate Social Responsibility project, POWERGRID has implemented a water delivery program to bring water to the Ananda Bazar and Bedha regions at the Shree Jagannath Temple in Puri. This project intends to provide the temple grounds with a dependable and long-lasting water supply that will meet the demands of the worshippers, pilgrims, and locals. Installation of the necessary infrastructure, such as distribution networks, storage tanks, and pipes, is part of the water supply plan. By taking on this project, POWERGRID demonstrates its dedication to offering amenities that will ensure that visitors to the Shree Jagannath Temple have a pleasant and fulfilling spiritual experience.

Pre-fabricated toilets in circulating areas on Stations of East Central Railways

POWERGRID is installing prefabricated restrooms in the circulating areas of East Central Indian Railways (Bihar) stations. With this project, sanitary conditions will be improved, and hygiene will be encouraged in densely populated regions. The prefabricated restrooms are made to be long-lasting, simple to maintain, and environmentally friendly. By taking on this project, POWERGRID demonstrates its dedication to advancing public welfare and helps to make railway stations cleaner and more hygienic for users.

Installation of dustbin and management of solid waste

POWERGRID, is actively participating in the installation of trash cans and the management of solid garbage throughout the village of Chhalamthang in the 11 Namphing GPU of Temi-Namphing constituency in South Sikkim. The goal of this initiative is to manage solid waste and encourage cleanliness in the village. Strategically placed dustbins will promote correct garbage disposal, discourage littering, and preserve a clean environment.

Support to rural areas' healthcare and sanitation infrastructure are another emphasis of POWERGRID's CSR programs. POWERGRID has provided Healthcare facilities, hosted health fairs, and donated medicines and equipments to impoverished regions to further SDG 3 - Good Health and Well-Being. POWERGRID supports awareness campaigns on sanitation and hygiene practices.

Other Important Projects

- Installation of 30 nos. submersible pumps along with watertank in Etawah District, Uttar Pradesh
- Installation of two nos. 120 Ltr. Capacity Water cooler with UV Purification system for Kendriya Vidyalaya, INS Mandovi, Goa
- Construction of GUL (Pond-Waterbody) for Fafran/Sauntiyaal village Koteshwar, Uttarakhand
- Observance of "Swachhata Pakhwada, 2022"
- Observance of "Swachhata Action Plan" for FY 2022-23
- Construction of 26 nos. toilets at various Govt. Schools in Nirjuli, Itanagar, Arunachal Pradesh

Reaching Out for **Rural Development**

One of the top electricity transmission utilities in India, POWERGRID, has been actively participating in CSR projects that support rural development. The CSR initiatives of POWERGRID have had a substantial impact on rural areas by being in line with the United Nations Sustainable Development Goals (UN-SDGs). Infrastructure and community development (SDG 11: Sustainable Cities and Communities. The CSR initiatives of POWERGRID go beyond basic services and cover a wider range of community development. We have projects underway to build community centers, boost the general infrastructure, and connect more roads in remote areas.

Transformation of Baran

Anganwadi centers and Primary Health Centers (PHCs) are being renovated as part of POWERGRID's CSR project in the aspirational district of Baran. This initiative seeks to enhance the facilities and services offered at these vital healthcare and educational establishments with an emphasis on community development.

To give children a safe and exciting environment, the Anganwadi centers, which are crucial for early childhood education and nutrition, are being refurbished. The provision of clean drinking water, sanitary facilities, infrastructural repairs, and the installation of learning aids and playthings are all examples of upgrades. The learning process and overall development of young children will be improved by these changes.

Financial assistance for construction and development of Shri Badrinath Dham

As part of its CSR program, POWERGRID is contributing financially to Shri Badrinath Dham's development as a spiritual smart hill town. The goal of this project is to turn the place of religious pilgrimage into a cutting-edge tourist attraction that is sustainable. Infrastructure, communication, and technical developments are just a few of the areas of development that will benefit from the financial assistance provided by POWERGRID. As a result, pilgrims will have simple access thanks to the enhanced roads, bridges, and other transportation facilities that will be built. The project will also put a strong emphasis

on improving the town's amenities, like the accessibility of clean water, sanitary facilities, and electricity.

Repairing of Taoru road, Manesar

Manesar's Taoru Road has been repaired and rebuilt as part of POWERGRID's CSR program. The project seeks to upgrade the road network, assuring improved connection and more convenient mobility for the neighborhood. By fixing and maintaining this important route, POWERGRID improves the accessibility, security, and convenience for locals, commuters, and businesses. In addition to facilitating smooth transit, this project will support development, encourage economic growth, and enhance the quality of life for Manesar residents.

Construction of WBM road outside south boundary wall of POWERGRID Kenapali, Tangarpali block, Sundargarh District

A Water Bound Macadam (WBM) road is being built as part of POWERGRID's CSR program outside the project's south boundary wall in the Tangarpali block of Sundargarh District, Odisha. The goal of this initiative is to enhance local transportation and connectivity. The WBM road's construction will improve accessibility for the neighborhood, resulting in smoother traffic and facilitating economic activity. Additionally, it will advance the general growth and advancement of the area. The CSR initiatives undertaken by POWERGRID in the Sundargarh District show the company's dedication to enhancing locals' quality of life and promoting sustainable development.

Other Important Projects

- Construction of Stadium at Village Barikhurd Babupur, Tehsil Raghuraj Nagar, District Satna (M.P.)
- Rest Shed, approach road, BioToilet, tractor, Steel Water Tank etc. in Paschim Medinipur (W.B.)
- Construction of park at East Champaran, Bihar
- Construction of 2.2 KM road at Kaimur (Bhabua) District (Bihar).
- Repairing of Taoru Road at village Panchgaon, Tehsil: - Manesar, Gurugram (Haryana)
- CSR works under "SWACCHA e- DIVYA KURUKSHETRA" at Kurukshetra, (Haryana)
- Re-excavation/dredging of Baksha Khal (Canal) and construction of culverts and approach road at Birohi-I Gram Panchayat of Haringhata Block, Nadia District (W.B.)

CASE STUDY

Impact of POWERGRID Operation Theatre Complex constructed at ACTREC, TMC

Tata Memorial Centre, Mumbai is a perfect example of the blending of private philanthropy and Government support with a mandate to provide service, education and research in Cancer. TMC is a Cancer Research Institute under the Department of Atomic Energy, Government of India. Mission of Tata Memorial Centre is to provide comprehensive cancer care to one and all. The Advanced Centre for Treatment, Research and Education in Cancer (ACTREC) is the state-of-the-art R&D center of TMC with the former having been established in 2001 at Kharghar, Navi Mumbai. POWERGRID committed to the welfare of the under-privileged has joined hands with TMC and established Modular Operation Theatre complex in Women and Children Hospital at the ACTREC Campus, Navi Mumbai to facilitate affordable treatment to the poor and deprived.

Morbidity and mortality as a result of Non-communicable diseases (NCDs) are of four types, cardiovascular diseases, cancer, chronic respiratory diseases and diabetes. According to WHO in the year 2020, there were approximately 10 million deaths due to cancer which is about one in six deaths. WHO declared, based on a study in 2022, that the deaths due to Cancer at 28 % was the second highest after cardiovascular diseases which accounted for a whopping 54%. India accounts for more than two-thirds of the total deaths due to the NCDs.

According to the ACTREC provisional hospital based cancer registry report of 2022 Head and Neck cancer cases are common with 37.9 percent. Breast cancer cases registered in 2022 was 32.8%, Hematopoietic cancer 10%, Genitourinary Organs cancer 8.4%, Brain and Nervous System cancer 3.4% and other types of cancer cases account for 7.5%. Most common surgeries are done for Breast, Head and Neck, Colorectum and bone marrow transplant. Children coming for treatment mainly suffer from blood cancer.

The Modular Operation Theatre complex is built on the seventh floor of the building. The floor is entirely funded by POWERGRID and consists of a total of 14 Operation Theatres. The complex will ensure a high degree of sterility to prevent infections, help in reduction of health care costs, improve outcomes and ensure treatment of more patients.

This project, having completed one year was subjected to Impact Assessment by a third party, Centre of Social Medicine and Community Health, School of Social Sciences, JNU, New Delhi. The study has been done to assess the impact and sustainability of the CSR spending on the project. At the women and children hospital, 14 Modular Operation Theatres have been established under CSR funding by POWERGRID and the complex is named as "POWERGRID Operation Theatre Complex". The project was sanctioned on 29th of February in the year 2020 by POWERGRID and the project was handed over to TMC on 26th March 2022. The Modular OT complex was built at a cost of ₹26.50 cr. with the aim of providing affordable early treatment to underprivileged cancer patients. It was envisaged that about 10,000 cancer patients would receive treatment in the Center, out of which 60% would be from the underprivileged society. At the time of Impact Assessment it was found that about 2319 patients had undergone major surgeries and 330 patients had undergone minor

surgeries for cancer treatment in the MOT in the last six months. Among the patients who had undergone treatment 70 % were local from Maharashtra, 8.2% from UP, 4.3% from Odisha, 3.7% from Bihar and 13.4% from other states.

Cancer treatment being of a complex nature, some of the surgeries take more than eight hours to perform, therefore, the waiting period for the patients is quite high. Powergrid has Helped Mitigate the Misery of Cancer Patients to at Least Some Extent. After the establishment of the MOTs waiting period for hapless patients has considerably been reduced from about 15 – 18 months to 3 months. As per the report submitted by the Assessor, Establishment of Modular Operation Theatres at ACTREC, TMC fully meets the OECD Parameters.

Relevance - As the number of cancer patients has been ever increasing, the MOT has helped in providing early treatment to the underprivileged section of the society at nominal cost.

Effectiveness - The MOT has been able to perform 2649 surgeries since it was made fully functional in the last six months.

Efficiency - All OTs were occupied on the day of the visit which indicates it has full efficiency.

Impact - All the stakeholders are of the opinion that the establishment of the MOT has reduced their waiting time and the Hospital is able to cater to more patients now.

Sustainability - The sustainability depends on the functioning of the equipments. The equipments have a life cycle of about 15 to 20 years.

CASE STUDY

Effectiveness of Smart Classrooms in Government Schools of Haryana

India has been moving leaps & bounds in the field of digitalization. COVID-19 pandemic has further accelerated digital revolution in the country. When the people were forced to live within the confines of their homes rapid digital turn around was knocking at their doors. People's need for, socialization, earning their daily bread, shopping, entertainment, anything for that matter, went the digital way rapidly. Education was not to be left behind. Online classes over mobile phones, computers and laptops changed the way students were seeking knowledge. But then, the Government Schools were finding hard due to resource crunch to keep pace with the changing world.

It was here that POWERGRID which had already started the work of digitalization of classrooms in Government schools in some states took up the challenge on a larger scale and 480 classrooms in Haryana Government schools were taken up for the same. With its CSR fund POWERGRID provided the necessary hardware and software including training & technical support to the teaching staff of 240 Government schools in twelve districts of Haryana to catch up with the fast changing world. Smart classroom is a technology – enabled learning environment making use of Information and Communication Technologies (ICTs) that incorporates a variety of electronic tools facilitating student learning and interaction with the instructor and peers. It offers students a comprehensive learning. Smart classroom promotes innovative learning, breaking away from the traditional methods of rote learning. It has the potential to stimulate creativity among the students. It can enhance students' critical thinking and problem-solving skills. Smart classroom is equally beneficial for the teachers as it provides access to interesting and wide range of teaching resources.

Before this project 330 classrooms of 165 government schools in 8 districts of Haryana had been upgraded with smart class technology solutions and helped transform the teaching - learning process. Many children studying in municipal corporation schools come from very poor and deprived class. The family of these children are struggling to make their ends meet. These students have to be equipped and taught with modern teaching techniques to compete in this very competitive world.

After completion of one year an Impact assessment of 480 Smart Classroom projects in 240 Government schools in 12 districts of Haryana was done by Department of Social Work, University of Delhi and the findings summarized below.

- Students are exhibiting a better understanding of the concepts taught in the classes. There is an increased curiosity to learn new concepts
- Improved analytical skills and recall value of student have improved manifold.
- They are finding classroom learning enjoyable and interesting.
- Students have become more attentive and regular in the classes.
- Confidence is especially noticeable amongst girls and students from marginalized background.
- The students demonstrated a high level of comfort in handling digital technology.
- The teachers can utilize innovating ways for teaching to make the classes more engaging.
- This technology has provided the teaching faculty with a vast selection of resources for their lectures, making teaching more enriching, easier, and enjoyable.
- Teaching is more demonstrative with three dimensional images and diagrams.

- Teacher is better equipped to clarify doubts of the students.
- The project has a potential to reduce rural- urban digital divide as also the divide between private and state-run school.

This initiative meets the Sustainable Development Goal (SDG) 4 which focuses on delivering quality education essential for peace and prosperity in the world. The initiative also contributes towards SDG 5 which focuses on Gender Equality and Women empowerment as it brings technology in the hands of the girls eventually contributing towards their empowerment. The impact of the above, in the long run, is likely to contribute towards SDG 10 which aims to reduce inequality within the countries.

The 3rd party evaluation as per OECD parameters are as below:

Relevance -The programme is very relevant for the students in this digital age. It has increased their interest in learning and has made it a creative and joyful experience. The smart classes have increased their interest in subjects as they are able to understand the concepts much more easily.

Effectiveness -The programme has been found to be very effective as it has increased the motivation to learn and increased the interest of students towards technology. It has also encouraged them to attend the school regularly. The delightful aspect of the programme is that it has enhanced the confidence of girls who demonstrate the use of technology with confidence. Its effectiveness is also visible in the way teachers are creatively utilizing the teaching content to make classes interactive and interesting.

Impact - The programme has had a high impact. It has reduced the digital divide and is available to children from the marginalized and vulnerable sections of the society. It has increased the interest and confident of students in learning and of teachers in using innovative ways and confidence of teaching. Students have admitted that they are more motivated to come to school now as lessons have become interesting and easier to learn.

Efficiency - The programme is efficient as there is a high level of acceptance and utilization of this technology by students and teachers. Any problem in the use of technology is attended to quickly due to the coverage of smart classroom under the warranty. Internet connections are facilitated through dongles made available to Teachers are trained to use the technology.

Sustainability - The programme is sustainable as it is tied with the education department of the state government which is one of the stakeholders in this initiative.

Awards

The **2022 Platts Global Energy Award** in the category, "Corporate Impact Award – Critical Response" conferred on POWERGRID at New York on 18.12.2022. This is in recognition of our CSR intervention, 'Project Assist', which reaches out to children and young people who lost their parents or primary caregivers as a result of communal, caste, ethnic or terrorist violence in the states of Assam, Manipur and Chhattisgarh.

International CSR Excellence Award 2022 bestowed upon POWERGRID on 30.05.2022 at the Waldorf, London, and **CSR World Leader 2022 Award** was conferred at the Houses of Parliament, London on 21.11.2022. The awards were presented in appreciation of POWERGRID's credentials as 'A Company that Cares' about its community and environment.

Governance Now conferred **CSR Leader Award** on POWERGRID in recognition of its contribution in the field of CSR & Sustainability in Nation building at New Delhi on 16.02.2023.

POWERGRID felicitated by Hon'ble Union Minister for Jalshakti, Shri Gajendra Singh Shekhawat for contribution to **National Mission for Clean Ganga,** the world's largest river rejuvenation program. The award was presented at New Delhi on 05.11.2022.

POWERGRID VISHRAM SADAN

मानचित्र केवल चित्रण के लिए है मापन के लिए नहीं
Map not to scale, only for depiction purpose

POWERGRID has constructed Vishram Sadans (Rest houses) at different locations, spreading across the country. Total 09 Vishram Sadans have been approved up to FY 2022-23 out of which 08 have already been completed with all the necessary amenities and 01 Vishram Sadan is under construction at Brahmapur, Odisha. These Vishram sadans are providing shelter to poor and disadvantaged patients and their attendants who come from distant places for treatment of their loved ones.

This noble initiative of providing shelter to the patients and their attendants is categorically raising the bars of the modern-day healthcare infrastructure in the country. This is just the beginning, more such projects with high impact on the society are being taken up by POWERGRID under CSR.

पावरग्रिड
POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
केन्द्रीय कार्यालय: सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुरुग्राम - 122001, (हरियाणा)

POWER GRID CORPORATION OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)
Registered Office: B-9, Qutub Institutional Area, Katwaria Sarai, New Delhi - 110 016
Corporate Office: Saudamini, Plot No. 2, Sector-29, Gurugram-122001 (Haryana)

0124-2822888, 2822999 | **CIN No.:** L40101DL1989GOI038121

www.powergrid.in

One Nation, One Grid, One Frequency